राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 04 अक्टूबर 2025 वर्ष-8,अंक-225 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्णिया में वंदे भारत से कटकर 4 भाइयों की मौत, एक गंभीर

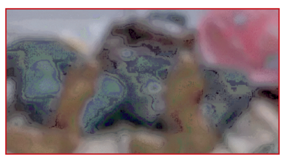

एजेंसी

पूर्णिया। शुक्रवार सुबह दशहरे का मेला देखकर लौट रहे 5 बच्चे वंदे भारत की चपेट में आ गए। इनमें से 4 बच्चों की मौके पर मौत हो गई। एक की हालत गंभीर है। घायल को पूर्णिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सभी एक ही परिवार से थे और रिश्ते में भाई थे। बच्चे बनमनखी प्रखंड के जानकीनगर थाना क्षेत्र के ठाकुरपट्टी वार्ड 4 के रहने वाले हैं। मृतकों की पहचान सुंदर कुमार (15), सिंटू कुमार (14), जिगर कुमार (14) और रोहित कुमार (15) के रूप में हुई है। घायल का नाम कुलदीप कुमार (12) है। सभी महादलित परिवार से हैं। ट्रेन की चपेट में आने से एक का कमर से नीचे का हिस्सा और दोनों हाथ कट गया। दूसरे के सिर के पीछे हिस्से में चोट लगी और तीसरे के ब्रेन में चोट लगी। एक का हाथ कटकर अलग हो गया। जबकि घायल के दोनों पैर ट्रेन की चपेट में आ गए हैं। हादसा कसबा थाना क्षेत्र के कटिहार-जोगबनी रेलखंड पर जवनपुर के पास हुआ। हादसे के वक्त मौके पर मौजूद लोगों ने बताया, सभी लोग रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे। जोगबनी से दानापुर जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस वहां से गुजरी। ट्रेन सभी को उड़ाते हुए निकल गई।

पुतिन बोले: अमेरिका के दबाव के आगे भारत नहीं झुकेगा

मैं पीएम मोदी को जानता हूं, भारतीय अपमान बर्दाश्त नहीं करते

एजेंसी

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तेल खरीद के मुद्दे पर अमेरिकी दबाव की आलोचना की और कहा कि भारत झुकने वाला नहीं है। उन्होंने सोची शहर में गुरुवार को आयोजित वाल्दाई पॉलिसी फोरम को संबोधित करते हुए यह कहा कि ढट मोदी कभी भी ऐसा फैसला नहीं करेंगे, जो भारत की संप्रभुता के खिलाफ हो। पुतिन ने कहा कि अगर रूस के ट्रेड पार्टनर्स पर ऊंचे टैरिफ लगाए गए, तो इसका असर पूरी दुनिया की ऊर्जा कीमतों पर पड़ेगा। कीमतें बढ़ेंगी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व को मजबूरी में ब्याज दरें ऊंची रखनी होंगी, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था धीमी पड़ जाएगी। पुतिन ने चेतावनी दी कि अगर भारत रूसी तेल खरीदना बंद करता है, तो उसे 9 से 10 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ेगा। पुतिन ने कहा कि भारत जैसे देश में लोग अपने नेताओं के फैसलों पर नजर रखते हैं और वे कभी नहीं चाहेंगे कि उनका देश किसी के सामने झुके। पुतिन ने यह भी कहा कि रूसी तेल के बिना दुनिया की भी अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा और यदि इसकी आपूर्ति बंद हो जाती है तो तेल की कीमतें प्रति बैरल 100 डॉलर से भी ऊपर बढ़ सकती हैं। पुतिन ने मोदी का दोस्त बताते हुए कहा कि वह उनके साथ भरोसे के साथ बातचीत कर सकते हैं। रूसी राष्ट्रपति ने दिसंबर की शुरूआत में होने वाली अपनी भारत यात्रा को लेकर खुशी जताई। उन्होंने अपनी सरकार को यह भी निर्देश दिया कि भारत के बड़े पैमाने पर कच्चे तेल खरीदने की वजह से जो व्यापार असंतुलन बना है, उसे दूर करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

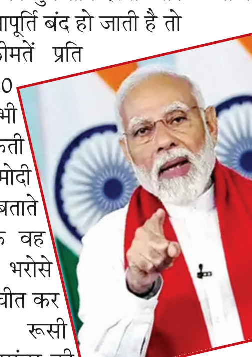

पुतिन ने कहा कि भारत चाहे तो व्यापार असंतुलन को ठीक करने के लिए रूस से और ज्यादा कृषि उत्पाद और दवाइयां खरीद सकता है। अपने भाषण में पुतिन ने अमेरिका पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देशों पर रूसी ऊर्जा न खरीदने का दबाव डालता है, जबकि खुद यूरेनियम के लिए रूस पर निर्भर है। पुतिन ने कहा कि रूस, अमेरिका को यूरेनियम देना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका हमसे यह इसलिए खरीदता है क्योंकि इसमें उसका फायदा है। पुतिन ने कहा कि यूरोपीय संघ के नेता अपने देश की समस्याएं ठीक करने के बजाय लोगों में दहशत फैला रहे हैं और युद्ध का डर दिखा रहे हैं। वे बार-बार अपने लोगों से कहते रहते हैं कि रूस ठअळड देशों पर हमला करने वाला है। मैं उनसे यही कहूंगा कि उन्हें इस बात को भूलकर चैन से सोना चाहिए।

गृहमंत्री अमित शाह ने कुरुक्षेत्र में पुलिस का वर्किंग सिस्टम देखा

रोहतक में डेयरी प्लांट का उद्घाटन किया, बोले: एनसीआर की सभी जरूरतें पूरी होंगी

(एजेंसी)

रोहतक/कुरुक्षेत्र। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज हरियाणा दौरे पर हैं। उन्होंने कुरुक्षेत्र में ब्रह्मसरोवर के पास मेला ग्राउंड में 3 नए आपराधिक कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी देखी। वह प्रदेश के 12 जिलों में कुल 825 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन या शिलान्यास भी करेंगे। इससे पहले, अमित शाह रोहतक की महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी (MDU) के खेल मैदान में पहुंचे। यहां उन्होंने साबर डेयरी प्लांट का उद्घाटन किया। उनके साथ सीएम नायब सैनी भी मौजूद रहे। रोहतक में अमित शाह ने कहा कि यह लगभग 350 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया देश का सबसे बड़ा दही, छाछ, योगर्ट और मिठाई उत्पादन केंद्र है। अब यहीं से पूरे ठउफ की जरूरतें पूरी होंगी। इससे आय बढ़ेगी। आने वाले समय में 75 हजार डेयरी समितियां बनाई

जाएंगी उनके आने से पहले टउ्र के छात्र संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। छात्र संगठनों ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम के लिए रात को ग्राउंड में सड़क बनाने और कच्चे ग्राउंड में रोलर चलाकर उसे खराब कर दिया गया है। इसे देखते हुए पुलिस ने छात्र नेता प्रदीप देशवाल को पुलिस ने हाउस अरेस्ट किया है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग द्वारा आयोजित खादी कारीगर महोत्सव में की बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। रोहतक में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने खादी की पगड़ी पहना कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि खादी कारीगर महोत्सव में गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के हरियाणा में पधारने पर बहुत-बहुत स्वागत है। आज हरियाणा की धरा एक नए स्वदेशी आंदोलन की साक्षी बन रही है। यह कार्यक्रम स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत का उत्सव भी है। केंद्रीय गृह मंत्री के प्रयासों से और प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व से खादी आत्मनिर्भर भारत का सबसे शक्तिशाली माध्यम बनी। राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2025 में गांव, कृषि, महिलाएं, ग्रामीण, दलित और आदिवासियों को केंद्र में रखा गया। यह नीति पारदर्शिता, तकनीकी और सदस्यों के हितों को प्राथमिकता देती है। आज हम स्वदेशी को नई तकनीक से जोड़ने के साक्षी बन रहे हैं। खादी के उत्पाद लोकल टू ग्लोबल की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। पंचकूला में खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग के नवनिर्मित कार्यालय और गोदाम का भी उद्घाटन किया जाएगा। हरियाणा में खादी से जुड़ी गतिविधियों को इससे नई गति मिलेगी। हरियाणा सरकार स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभायेगी। अमित शाह ने कहा कि आने वाले दिनों में हम डेयरी के प्लांट को निर्माण की दृष्टि से भी आत्मनिर्भर बनाएंगे। प्लांट बनाने का काम हम तीन गुना स्तर पर करेंगे। दुनिया के सबसे आधुनिक प्लांट हमारे भारत में हों, इस पर भी हम काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में 75 हजार डेयरी समितियां बनाई जाएंगी। मैं आज देश को बताना चाहता हूं कि हम दूध प्रेक्योरमेंट 1 हजार लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

वाराणसी में उर्दू टीचर की हत्या

वाराणसी। सरकारी मदरसा के उर्दू शिक्षक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। उनका शव घर के कमरे में चौकी पर पड़ा मिला। दीवारों और फर्श पर खून के निशान थे। शरीर पर धारदार हथियार से किए गए कई गहरे घाव पाए गए। घटना रात के समय की है, जब परिवार के अन्य सदस्य घर में ही मौजूद थे, लेकिन किसी को कुछ पता नहीं चला। सुबह सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है और हत्या के मामले की जांच शुरू कर दी है। वाराणसी के बादशाह बाग निवासी दानिश रजा (40) सरकारी फरोग-ए-उर्दू मदरसे में में उर्दू टीचर थे। मृतक संयुक्त परिवार में रहते थे। उनके माता-पिता, दो भाई और चार बहनें हैं। वह सबसे छोटे थे। बड़ा भाई छत्तीसगढ़ में डॉक्टर है। मृतक के दो छोटे बच्चे एक आठ वर्षीय बेटी और पांच वर्षीय बेटा है। वह पत्नी और बच्चों के साथ घर की निचली मंज़िल पर रहते थे, जबकि परिवार के अन्य सदस्य ऊपरी मंज़िल पर रहते हैं।

सीतारमण बोलीं: ग्लोबल झटकों को झेल सकता है भारत

2047 तक डेवलप्ड इकोनॉमी बनने का टारगेट, इसके लिए 8% ग्रोथ रेट जरूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मौजूदा ग्लोबल उथल-पुथल का भारत की GDP ग्रोथ पर सीमित प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत बाहरी दबाव सहने और व्यापार-ऊर्जा असंतुलन से निपटने में सक्षम है। सीतारमण ने बताया कि भारत का टारगेट 2047 तक डेवलप्ड इकोनॉमी बनना है। 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए 8% की ग्रोथ रेट की जरूरत है। शुक्रवार (3 अक्टूबर) को नई दिल्ली में चौथे कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव (KEC) का उद्घाटन करते हुए वित्त मंत्री ने यह बात कही। सीतारमण ने कहा कि भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ की रीढ़ डोमेस्टिक फैक्टर्स यानी घरेलू कारक हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। जिसे वे एक टेम्परारी डिसरप्शन यानी रुकावट के बजाय स्ट्रक्चरल बदलाव मानती हैं। सीतारमण ने

कहा कि भारत का टारगेट 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनना है। साथ ही आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता का मतलब क्लोज्ड इकोनॉमी यानी बंद अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना नहीं है। 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए 8% की ग्रोथ रेट की जरूरत है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने हाल ही में हुई MPC की मीटिंग में देश की GDP ग्रोथ का अनुमान 6.5% से बढ़ाकर 6.8% किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि ग्लोबल सिस्टम यानी वैश्विक व्यवस्था बदल रही है और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूशंस अब वर्ल्ड कम्युनिटी का भरोसा खो रही हैं। हाल की G20 मीटिंग का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि एक्सपर्ट्स ने इन इंस्टीट्यूशंस में सुधार की जरूरत पर चर्चा की, ताकि वैश्विक स्थिरता बहाल हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय नियमों को नए सिरे से लिखा जा रहा है और सामने आने वाली चुनौतियां बहुत बड़ी हैं। नया ग्लोबल बैलेंस कई कारकों को ध्यान में रखकर बनाना होगा। सीतारमण ने यह भी कहा कि कम निवेश और अस्थिर एनर्जी प्राइस जैसे मुद्दों से वैश्विक आर्थिक माहौल में अनिश्चितता बढ़ रही है। इस साल कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव की थीम 'उथल-पुथल भरे समय में समृद्धि की तलाश' है। इस बार KEC में 30 से ज्यादा देशों के 75 फॉरेन रिप्रेजेंटेटिव सहित कई एक्सपर्ट्स हिस्सा ले रहे हैं। यह कॉन्क्लेव 5 अक्टूबर को खत्म होगा। इसका समापन केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर करेंगे।

आईएएफ चीफ बोले: भारतीय जेट गिराने के दावे मनोहर कहानियां

पाकिस्तान के पास अगर सबूत है तो दिखाए, भारत ने पाक के एफ-16 और जे-17 गिराए

संवाददाता

नई दिल्ली। वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल एपी सिंह ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान की तरफ से भारत के जेट गिराने के दावे सिर्फ मनोहर कहानियां जैसे हैं। अगर उनके पास कोई सबूत हैं तो दिखाएं। भारत ने उनके पांच फाइटर जेट तबाह किए हैं, जिसमें F16 और J17 भी शामिल है। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एपी सिंह ने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में 300 किमी अंदर घुसकर हमला किया। पहलगाम अटैक के बाद हमने तय किया कि उन्हें इसकी कीमत चुकानी ही होगी। सेना को खुली छूट दी गई थी। हमने सटीकता से हमला किया। बाद में पाकिस्तान खुद युद्धविराम के लिए आगे आया। यह दूसरी बार है, जब एयरफोर्स चीफ ने पाकिस्तान के हुए नुकसान की जानकारी दी। इससे पहले 9 अगस्त को उन्होंने बताया था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमान गिराए गए थे। इसके अलावा एक सर्विलांस एयरक्राफ्ट को लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया। यह सतह से हवा में टारगेट हिटिंग का अभी तक का रिकॉर्ड है। अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने हमारे (भारत) 15 जेट मार गिराए हैं, तो उन्हें सोचने दीजिए। मैं इसके बारे में बात क्यों करूं? आज भी, मैं इस बारे में कुछ

नहीं कहूंगा कि क्या हुआ, कितना नुकसान हुआ, कैसे हुआ, क्योंकि उन्हें पता करने दीजिए। क्या आपने एक भी तस्वीर देखी है जहां हमारे किसी एयरबेस पर कुछ गिरा हो, हमें कोई टक्कर लगी हो, कोई हैंगर तबाह हुआ हो, या ऐसा कुछ? ये उनकी मनोहर कहानियां हैं: हमने उन्हें उनकी जगहों की इतनी सारी तस्वीरें दिखाईं। लेकिन, वे हमें एक भी तस्वीर नहीं दिखा पाए। ये उनकी कहानी 'मनोहर कहानियां' है। उन्हें खुश रहने दीजिए, आखिरकार, उन्हें भी अपनी इज्जत बचाने के लिए अपने लोगों को कुछ तो दिखाना ही है। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। पाकिस्तान को काफी नुकसान पहुंचाया: जहां तक पाकिस्तान के नुकसान का सवाल है। हमने बड़ी संख्या में उनके हवाई अड्डों और प्रतिष्ठानों पर हमला किया। इन हमलों के कारण, कम से कम चार स्थानों पर रडार, दो स्थानों पर कमांड और कंट्रोल सेंटर, दो जगह पर रनवे क्षतिग्रस्त हो गए। इसके अलावा तीन हैंगर भी नष्ट किए और कम से कम 4 से 5 लड़ाकू विमान भी तबाह किए गए पाकिस्तान में नए आतंकी अड्डे बन रहे: पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आतंकियों के नए अड्डे बनाने की खबरों पर एपी सिंह ने कहा, जाहिर है, यह होना ही था। हमें भी खबर मिल रही है वे शायद बड़े ढांचे बनाने की बजाय छोटे-छोटे ढांचे बना रहे हैं। लेकिन फिर भी हम उन्हें और उनके ठिकानों को नष्ट कर सकते हैं। इसलिए, हमारे विकल्प नहीं बदले हैं। हमने लक्ष्य के साथ युद्ध खत्म किया: भारतीय सेना को स्पष्ट संदेश दिया गया था। यह एक सबक है जो इतिहास में दर्ज होगा कि यह एक ऐसा युद्ध था जो एक लक्ष्य के साथ शुरू किया गया था और इसे बिना बढ़ाए तुरंत खत्म कर दिया गया।हम देख रहे हैं कि दुनिया में क्या हो रहा है, जो दो युद्ध (रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास) चल रहे हैं, उन्हें खत्म करने की कोई बात नहीं हो रही है, लेकिन हमने अपनी लड़ाई को उस स्थिति तक पहुंचाया, जहां दुश्मन युद्धविराम की मांग करने लगा।

विजय की रैली में भगदड़ के कारणों की जांच करेगी एसआईटी, हाईकोर्ट ने करूर पुलिस को दिए ये निर्देश

संवाददाता

चेन्नई। करूर में अभिनेता-राजनेता विजय की रैली के दौरान हुई भगदड़ की जांच के लिए मद्रास हाईकोर्ट ने एक विशेष जांच दल का गठन किया है। मद्रास हाईकोर्ट ने हादसे की सीबीआई जांच की मांग को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि घटना की जांच के लिए पुलिस महानिरीक्षक (उत्तर) असरा गर्ग के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। करूर पुलिस को सभी संबंधित दस्तावेज तुरंत एसआईटी को सौंपने का निर्देश दिया गया है। हालांकि करूर

भगदड़ हादसे की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को खारिज कर दी और याचिकाकर्ता को मदुरै पीठ जाने का निर्देश दिया है। यह याचिका भाजपा नेता उमा आनंदन ने 27 सितंबर को दायर की थी। अभिनेता-राजनेता विजय की जनसभा में हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई और 60 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। याचिका में कहा गया कि इस घातक घटना के पीछे सरकारी उदासीनता सहित कई सवाल हैं। शुक्रवार को एक खंडपीठ ने याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ का दरवाजा खटखटाने का निर्देश दिया क्योंकि यह मदुरै पीठ के न्यायाधिकार का मामला है। उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने शुक्रवार को नमक्कल के एक टीवीके पदाधिकारी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। टीवीके नेता पर एक निजी अस्पताल पर हमले का आरोप है। टीवीके के नमक्कल (पश्चिमी तमिलनाडु) जिला सचिव सतीश कुमार ने अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी।

चैतन्यानंद की तीन महिला सहयोगी गिरफ्तार: छात्राओं पर दबाव बनाती थीं

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने छात्राओं के यौन शोषण का आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी की तीन करीबी महिला सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में महिलाओं ने माना कि उन्होंने चैतन्यानंद के कहने पर छात्राओं पर दबाव बनाया। जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार महिलाओं में श्री शारदा इंस्टीट्यूट की श्वेता शर्मा (एसोसिएट डीन), भावना कपिल (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर) और काजल (सीनियर फैकल्टी) शामिल हैं। आरोप है कि इन्होंने अपराध में सहयोग, शिकायतकताओं को धमकाया और सबूत नष्ट किए। पुलिस की जांच में

यह भी सामने आया है कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा में एक गेस्ट हाउस में चैतन्यानंद महिला छात्रों के साथ रुका था। वहां के स्थानीय लोगों ने भी इसकी पुष्टि की है। पुलिस को चैतन्यानंद के फोन से डिजिटल सबूत भी मिले हैं। इनमें वह एक वॉट्सएप ग्रुप में छात्राओं की फोटो पर आपत्तिजनक कमेंट कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, बढ़ते सबूतों के बावजूद चैतन्यानंद ने कोई पछतावा नहीं दिखाया।

उत्तराखंड: 25 नवंबर को होगा चारधाम यात्रा का समापन

जानिए किन-किन तारीखों पर बंद होंगे धामों के कपाट

एजेंसी

गढ़वाल। उत्तराखंड के चारों धामों और पंच केदारों के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने की तारीखें तय कर दी गई हैं। विजयदशमी और भैया दूज के पावन पर्व पर हुई पंचांग गणना के बाद इन धामों के कपाट बंद होने का शुभ मुहूर्त निकाला गया। इस वर्ष की यात्रा का समापन 25 नवंबर को बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के साथ हो जाएगा, बाकी सभी प्रमुख धामों के कपाट इससे पहले ही बंद हो रहे हैं। यमुनोत्री धाम के कपाट भैया दूज के शुभ पर्व पर 23 अक्तूबर को दोपहर 12:30 बजे श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए जाएंगे। इसके बाद अगले छह महीनों के लिए मां यमुना के दर्शन उनके शीतकालीन प्रवास खरसाली गांव में हो सकेंगे। यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल ने बताया कि 23 अक्तूबर, 2025 (संवत 2082, कार्तिक शुक्ल यम द्वितीय) को बृहस्पतिवार, विशाखा नक्षत्र, आयुष्मान योग और धनु लग्न में अमृत बेला पर कपाट बंद होंगे। कपाट बंद होने से पहले सुबह मां यमुना के भाई शनिदेव महाराज की डोली अपनी बहन को लेने यमुनोत्री धाम के लिए रवाना होगी। कपाट

बंद होने के बाद मां यमुना की डोली खुशीमठ खरसाली गांव में अपने शीतकालीन प्रवास पर पहुंचेगी। गंगोत्री धामगंगोत्री धाम के कपाट 22 अक्तूबर को अन्नकूट पर्व के शुभ अवसर पर सुबह 11:36 बजे शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे। इसके बाद श्रद्धालु गंगा के शीतकालीन प्रवास मुखबा गांव में स्थित माँ गंगा मंदिर में उनके दर्शन कर पाएंगे। बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए 25 नवंबर को दोपहर 2:56 बजे बंद कर दिए जाएंगे। बृहस्पतिवार को विजयदशमी पर कपाट बंद होने की तिथि घोषित की गई। कपाट बंद होने से पहले होने वाली पंच पूजाएं 21 नवंबर से शुरू होंगी। बृहस्पतिवार को बदरीनाथ मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, वेदपाठी रविंद्र भट्ट और अमित बंदोलिया ने पंचांग गणना कर बदरीनाथ के कपाट बंद होने की तिथि तय की। बदरीनाथ के मुख्य पुजारी रावल अमरनाथ नंबूदरी ने कपाट बंद होने की तिथि घोषित की। बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने 2026 की यात्रा के लिए हक हकूकधारियों को पगड़ी भेंट की और सभी थोकों के पदाधिकारियों को सम्मानित किया।

भारतीय विज्ञान में महिलाओं की अधूरी यात्रा

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की मौजूदगी ने पिछले कुछ दशकों में नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। अंतरिक्ष मिशनों से लेकर मिसाइल विकास तक उनकी भूमिका आज किसी से छिपी नहीं है। लेकिन यह यात्रा अभी भी अधूरी है क्योंकि तथाकथित 'लीकी पाइपलाइन' यानी शिक्षा और कॅरियर के अलग-अलग चरणों पर महिलाओं का बाहर हो जाना, उन्हें नेतृत्व की सीट तक पहुँचने से रोकता है। यह समस्या केवल व्यक्तिगत आकांक्षाओं की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय नवाचार और उत्कृष्टता की है। सवाल यही है कि भारत कब इस रिसाव को रोकेगा और कब महिलाएँ बराबरी से विज्ञान की बागडोर थामेंगी।

भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बीते कुछ दशकों में उल्लेखनीय प्रगति की है। अंतरिक्ष कार्यक्रम, जैव प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था और नैनो प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारतीय वैज्ञानिकों की पहचान आज विश्व स्तर पर बनी है। इस यात्रा में महिलाओं की भागीदारी केवल औपचारिकता भर नहीं रही बल्कि ठोस और प्रभावी साबित हुई है। डॉ. टेसी थॉमस, जिन्हें मिसाइल महिला कहा जाता है, या चंद्रयान-3 मिशन की महिला वैज्ञानिकों कल्पना कलहस्ती और ऋतु करिधल का योगदान इसका जीवंत उदाहरण है। यह स्पष्ट करता है कि भारतीय महिला वैज्ञानिकों की भूमिका अब केवल प्रतीकात्मक नहीं रही, वे वास्तविक परिवर्तन की धुरी बन चुकी हैं।

फिर भी तस्वीर का दूसरा पहलू चिंता पैदा करता है। भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की पढ़ाई करने वाली लड़कियों की संख्या बड़ी है, परंतु शोध और नेतृत्व के पदों तक पहुँचते पहुँचते यह संख्या लगातार घटती जाती है। इस प्रवृत्ति को ही ह्यलीकी पाइपलाइनह्न कहा जाता है। ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन की 2022 की रिपोर्ट बताती है कि स्नातक स्तर पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी लगभग तैंतालीस प्रतिशत है। यह आँकड़ा किसी भी देश के लिए गौरवपूर्ण हो सकता है। लेकिन जब यही लड़कियाँ आगे शोध और अनुसंधान के मार्ग पर बढ़ती हैं तो मात्र चौदह प्रतिशत ही इस क्षेत्र में टिक पाती हैं। यही नहीं, उच्च शिक्षा संस्थानों में महिला संकाय की संख्या लगभग पंद्रह प्रतिशत तक सीमित है। देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थान जैसे आईआईटी, आईआईएससी या सीएसआईआर अब तक किसी महिला के नेतृत्व में नहीं रहे।

वैज्ञानिक पुरस्कारों और मान्यताओं की दुनिया में भी असमानता साफ दिखती है। वर्ष 2023 तक दिए गए छह सौ से अधिक शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कारों में केवल सोलह ही महिला वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया। यह आँकड़े बताते हैं कि प्रारंभिक स्तर पर भले ही महिलाएँ विज्ञान और प्रौद्योगिकी में समान उत्साह के साथ प्रवेश करती हैं, लेकिन जैसे-जैसे ज़िम्मेदारियाँ और दबाव बढ़ते हैं, वैसे-वैसे उनकी संख्या कम होती जाती है। यही वह रिसाव है जो राष्ट्रीय उत्कृष्टता को कमजोर करता है।

इस रिसाव की कई परतें हैं। मातृत्व और परिवार की ज़िम्मेदारियाँ महिलाओं के कॅरियर को सबसे अधिक प्रभावित करती हैं। लंबे कार्य घंटे, उच्च दबाव वाले प्रोजेक्ट और लचीले विकल्पों की कमी के कारण बहुत सी प्रतिभाशाली महिलाएँ बीच रास्ते से बाहर हो जाती हैं। संस्थागत ढाँचे में भी पुरुष वर्चस्व कायम है। विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में पदोन्नति और नेतृत्व पदों पर जाने का मार्ग महिलाओं के लिए कठिन है। अनौपचारिक नेटवर्क, सामाजिक पूर्वाग्रह और लैंगिक धारणाएँ इस कठिनाई को और गहरा करती हैं।

वित्तपोषण और मान्यता का संकट भी कम नहीं है। शोध अनुदान में महिलाओं को कम प्राथमिकता दी जाती है। यह उनकी परियोजनाओं की दिशा और नवाचार की संभावनाओं को सीमित करता है। सामाजिक दृष्टिकोण भी विज्ञान को पुरुष प्रधान क्षेत्र मानता है, जिससे परिवार और समाज अक्सर लड़कियों को इस ओर बढ़ने से हतोत्साहित करते हैं। यदि कोई महिला कॅरियर ब्रेक ले भी ले तो पुनः-प्रवेश बेहद कठिन हो जाता है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की महिला वैज्ञानिक योजना अवश्य मौजूद है, परंतु उसकी पहुँच अभी बहुत सीमित है।

यह समस्या केवल महिलाओं की व्यक्तिगत उपलब्धियों की बाधा नहीं है, बल्कि भारत के भविष्य से भी गहराई से जुड़ी है। जब भारत विकसित भारत के सपने को पूरा करने का संकल्प ले रहा है, तब वैज्ञानिक नवाचार और शोध में आधी आबादी की भागीदारी को नजरअंदाज करना आत्मघाती साबित हो सकता है। विश्व बैंक का अनुमान है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से 2025 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को सात सौ अरब डॉलर की अतिरिक्त वृद्धि मिल सकती है। यदि महिलाएँ बराबरी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी और डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योगदान करेंगी तो भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा स्वतः बढ़ेगी।

इसके साथ ही यह भारत की वैश्विक छवि का भी सवाल है। लैंगिक समानता की दिशा में ठोस कदम भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं और नेतृत्व की आकांक्षाओं के अनुरूप हैं। जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों पर जब भारतीय महिला वैज्ञानिक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलती हैं तो वह भारत की विश्वसनीयता का प्रतीक बन जाता है। इससे भी आगे, यह आने वाली पीढ़ियों की आकांक्षा का प्रश्न है। अगर आज हम विज्ञान में महिलाओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करते हैं, तो कल हमारी बेटियाँ आत्मविश्वास से भरी होंगी और विज्ञान को अपनी पसंद का क्षेत्र मानेंगी।

सरकार ने कुछ सकारात्मक कदम उठाए हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की किरण योजना, महिला वैज्ञानिक योजना, एसईआरबी पॉवर फेलोशिप जैसी पहलें युवा महिला शोधार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए बनाई गई हैं। इसरो और डीआरडीओ ने लचीले कार्य समय, विस्तारित मातृत्व अवकाश और घर से काम करने जैसे विकल्प लागू किए हैं। कई संस्थानों में लैंगिक संवेदनशीलता समितियाँ भी गठित की गई हैं। लेकिन यह सब अभी भी अपर्याप्त है। आवश्यकता है कि इन योजनाओं की पहुँच को बढ़ाया जाए और उन्हें प्रभावी रूप से लागू किया जाए।

आगे की राह यह है कि अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों में महिलाओं के लिए न्यूनतम प्रतिनिधित्व की सीमा तय की जाए। महिला नेतृत्व वाली परियोजनाओं के लिए विशेष वित्तपोषण सुनिश्चित हो। कॅरियर ब्रेक के बाद पुनः-प्रवेश को आसान बनाया जाए और अधिक संख्या में पुनः-प्रवेश फेलोशिप दी जाए। वरिष्ठ महिला वैज्ञानिकों और नई शोधार्थिनियों के बीच मार्गदर्शन का सेतु तैयार किया जाए। सबसे बढ़कर, समाज की मानसिकता बदली जाए। परिवार और समाज को यह स्वीकार करना होगा कि विज्ञान पुरुषों का नहीं, बल्कि सभी का क्षेत्र है।

भारतीय विज्ञान में महिलाओं की यात्रा प्रतीकात्मक उपस्थिति से आगे बढ़ चुकी है, लेकिन नेतृत्व तक पहुँचने में अब भी कई बाधाएँ मौजूद हैं। यह बाधाएँ केवल व्यक्तिगत हानि नहीं बल्कि राष्ट्रीय हानि भी हैं। अगर भारत को ज्ञान शक्ति बनना है, तो इस रिसाव को रोकना ही होगा। वास्तविक नवाचार और उत्कृष्टता तभी संभव है जब प्रयोगशालाओं, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में पुरुष और महिलाएँ बराबरी से कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हों। यह केवल समान अवसर का सवाल नहीं है, बल्कि भारत के वैज्ञानिक भविष्य और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का भी प्रश्न है।

संपादकीय

रेपो दर वही, लेकिन खर्च और निवेश की रणनीति बदलने की जरूरत

केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दरों को लेकर जो फैसले लिए जाते हैं, उसके तहत अगर इसमें कमी की जाती है, तो उसे मुख्य रूप से ऋण के लिहाज से सुविधाजनक माना जाता है। ऋण का सस्ता या महंगा होने का हिसाब इसी पर निर्भर करता है। देश में केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दरों के संबंध में जो फैसला लिया जाता है, उसका असर मुख्यतः बाजार में ऋण चुकाने के लिए मासिक किस्तों पर किसी वस्तु की खरीदारी से लेकर जमीन-जायदाद के कारोबार पर भी पड़ता है। इसलिए जब भी रेपो दरों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होती है, तब इसे लेकर आम लोगों के बीच उत्सुकता रहती है। हालांकि ज्यादातर साधारण लोगों को अर्थव्यवस्था के जटिल नियम-कायदों से बहुत वास्ता नहीं होता और वे ऐसे फैसलों के अमल के बाद बनने वाली स्थितियों पर निर्भर रहते हैं कि उनकी जेब ढीली होगी या उन्हें राहत मिलेगी। गौरतलब है कि बुधवार को मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद यह घोषणा की गई कि इस बार भी नीतिगत दरों में में कोई बदलाव नहीं होगा। यानी बीते अगस्त की तरह अक्तूबर में ब्याज दर को 5.5 फीसद पर ही यथावत रखा गया है। कहा जा सकता है कि त्योहारों के इस मौसम में अगर लोगों को अतिरिक्त राहत नहीं मिली है, तो कोई बड़ा झटका भी नहीं लगा है। हालांकि पिछले कुछ समय से भारत सहित दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर जिस तरह की अनिश्चितता बनी हुई है, उसमें आम लोगों का आशंकित होना स्वाभाविक है। दरअसल, अमेरिका की ओर से शुल्क लगाए जाने की नीति पर कदम बढ़ाने के बाद भारत सरकार ने आंतरिक मोर्चे पर अर्थव्यवस्था को संभालने और आम लोगों को राहत देने के लिए जिस तरह माल एवं सेवा कर के ढांचे में बदलाव करने सहित कुछ अन्य कदम उठाए, उसमें रेपो दरों को लेकर भी लोगों के बीच यह उम्मीद बंधी थी कि इसमें भी कोई राहत का संदेश आएगा। मगर केंद्रीय बैंक की ओर से इसे यथावत रखने की घोषणा के बाद अब संभव है कि लोगों को अपने आर्थिक मामलों में थोड़ा संतुलन का ध्यान रखना होगा। इससे पहले इस वर्ष रेपो दरों में तीन बार कटौती के साथ इसमें सौ आधार अंकों की कमी की जा चुकी है। जाहिर है, यह न केवल देश के भीतर आर्थिक उतार-चढ़ावों का सामना करने की कोशिश है, बल्कि फिलहाल दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर जैसी चुनौतियां खड़ी हैं, उसमें स्थिरता बनाए रखने के उपायों से अर्थव्यवस्था को संभालने में मदद मिल सकती है।

चिंतन-मनन

जीवन में विचार की आवश्यकता

कुटिल एवं असत्य विचार से मुक्ति का सरल उपाय सुविचार की भावना दृढ़ करना है। शांतिदायक सुविचार की गंगा प्रवाहित करने पर ही हम मानसिक दुर्बलता से मुक्त हो सकते हैं। प्रत्येक विचार अंतःकरण में एक मानसिक मार्ग का निर्माण करता है। हमारी समस्त आदतें ऐसे ही मानसिक मार्ग हैं, जो लगातार एक ही प्रकार के चिंतन मनन से विनिर्मित हुए हैं। तुम मनः प्रदेश में उत्तम रचनात्मक विचार ही प्रवेश करने दो। उत्कृष्ट विचारों को ही मन मस्तिष्क पर अंकित करो। जो प्रेम, ईश्वर , नीति के विरोधी विचार हों, उन्हें निकाल फेंको। जब तुम्हारे विचारों का केन्द्र भगवान, अल्लाह, ईश्वर होंगे, तो सुनिश्चित दिशाओं में ही हृदय का विकास होगा।

संसार के महापुरुषों ने जो अद्भुत कार्य किये हैं, विचार कला मर्मज्ञ के लिए उन कार्य का संपादन कदापि दुष्कर नहीं है। विचार करो कि तुम किस तत्त्व में, किस बात में, किस दशा में पिछड़ रहे हो? तुम्हारे मार्ग में कौन-कौन बाधाएं हैं? तुम गीली मिट्टी के नष्ट हो जाने वाले पुतले के सदृश, केवल देह नहीं हो। तुम अमर आत्मा हो। तुम सत्य, स्वतंत्र, शिव, कल्याण, बलवान, आनंदमय, निदरेष, स्वच्छ और पवित्र हो। तुम्हें ज्ञात होना चाहिए कि शक्ति ही जीवन है, शक्ति ही धर्म है। परमेर इस शक्ति का पुंज है। तुम परमेर के राजकुमार हो। अतएव तुम्हारी पैतृक सम्पत्ति शक्ति ही है। शक्ति तुम्हारे अंतर तथा बाह्य अंगों में पूर्णतः व्याप्त है। तुम्हारे रोम-रोम में संचार कर रही है। तुम्हारे नेत्रों में उसी शक्ति का प्रकाश है। अनंत शक्ति का विशाल समुद्र तुम्हारे पीछे है। निर्बलता, निराशा, भय तथा चिंता के संशयदायक विचार हृदय मंदिर से निकाल शक्ति के विचारों में लीन हो जाओ। परमेर ने सबको समान शक्तियां प्रदान की हैं। ईश्वर, अल्लाह के यहां अन्याय नहीं है। कितनी ही शक्तियों से कार्य न लेकर तुम उन्हें पुंठित कर डालते हो।

अन्य व्यक्ति उसी शक्ति को किसी विशेष दिशा में मोड़कर उसे अधिक परिपुष्ट एवं विकसित कर लेते हैं। अपनी शक्तियों को जाग्रत, विकसित कर लेना या शिथिल पंगु बना लेना स्वयं के हाथ में है। यदि तुम मन की गुप्त महान सामथ्र्ये को जाग्रत कर लो और लक्ष्य की ओर प्रयत्न और उत्साहपूर्वक अग्रसर होना सीख लो तो जैसा चाहो आत्म निर्माण कर सकते हो। मनुष्य के मन में जिन महत्वाकांक्षाओं का उदय होता है और जो-जो आशापूर्ण तरंगें उदित होती हैं, वे अवश्य पूर्ण हो सकती हैं, यदि वह दृढ़ निश्चय द्वारा अपनी प्रतिभा जगा लें।

पीओके में बिगड़ती कानून व्यवस्था और असुविधाओ को लेकर जनता का हल्लाबोल

कांतिलाल मांडोत

पाकिस्तान के कब्जे वाले पीओके में शाहबाज सरकार की बेरुखी से नाराज स्थानीय पुलिस बगावत पर उतर आई।भारत मे आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला पाकिस्तान अपने ही घर मे घिरने लगा है।पीओके की आवाम खौफजदा है।पाकिस्तान के कब्जे वाले पीओके की जनता जिल्लतभरी जिंदगी गुजर- बसर कर रही है।असुविधाओं के कारण जीना मुहाल हो गया है।बिजली ,महंगाई से त्रस्त जनता का गुस्सा भड़क उठा है।पाकिस्तान सरकार बड़ी बड़ी डींगें हांकने में माहिर है।पीओके की जनता त्रस्त है।थाने में पुलिस नहीं है और थाने खाली है।तब सवाल उठता है कि जनता की जानमाल की हिफाजत करने वाला कौन है?शहबाज सरकार के खिलाफ बगावत के सुर तेज हो गए है।भगवान के भरोसे जनता त्राहिमाम कर रही है।पाकिस्तान में विधानसभा भवन और पीएम सचिवालय पर कोई सुरक्षा के इंतजाम नही है।महंगाई की मार झेल रही जनता के लिए कोई सुविधा नही है।सात दशक से सड़के का निर्माण नही किया है।पुल,सड़के और जर्जर स्कूल से अव्यवस्था पैदा हो रही है।पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पलटू राम अमेरिका की शरणागति स्वीकार कर सौदेबाजी में मशगूल है।देश मे अराजकता व्याप्त है।पाकिस्तान में आतंकवादियों के हौसले बुलंद है।जिन आतंकवादियो को पाल पोस रहा है ,वो पाकिस्तान की निर्दोष जनता के लिए सिरदर्द बना गया है।पाकिस्तान भी आतंकवादियों से परेशान है।पालतुं कुत्ते मालिक पर ही हमला करता है।वैसी ही दशा पाकिस्तान की है।लॉकडाउन का ऐलान किया है।इस्लामाबाद से सुरक्षा के लिए जवान भी भेजे गए थे।पाकिस्तान में जंगलराज है।पीओके की जनता के साथ फौज के जवान दुर्व्यवहार करते है।उनके आवागमन पर फौज की नजर रहती है।वे गुलाम जिंदगी जी रहे है।पीओके के लोगो ने कई बार पीओके को भारत मे शामिल करने के लिए गुहार लगा रहे है।देश की सबसे अच्छी और शक्तिशाली इकाई कानून व्यवस्था है।जिस देश की कानून व्यवस्था डगमगा जाती है।वहा जंगलराज कायम हो जाता है।उसके लिए कुशल प्रशासक की आवश्यकता होती है।पुलिस की अभूतपूर्व हड़ताल की वजह का कारण, पीओके की कानून व्यवस्था का लचर होना है।थाने में पुलिस ही उपस्थित नही रहती है तो उसका अंदाजा लगाया जा सकता है।गरीबी और फटेहाल जीवन यापन करने वाली आवाम अब आजादी की मांग को लेकर आंदोलन कर रही है।लॉक डाउन की कवायद शुरू हो गई है।जनता ने 11 सूत्रीय मांग को लेकर आंदोलन की इस मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए मांग रखी है।पाकिस्तान हर हाल में पीओके को आजाद करना नहीं चाहता है।लेकिन भारत कहता है हम हर हाल में पीओके लेकर रहेंगे।पुलिस को वेतन और परिवार के लिए बेहतर सुविधा की मांग की है।टूटते मनोबल के दौरान सरकार को हौसला अफजाई करने की आवश्यकता है।पुलिस रात दिन काम पर रहती है।उनके परिवार के लिए कोई सुविधा या परिवार को पालने के लिए पैसे नही मिलते है।यह स्थिति पीओके की है,जहा शहबाज सरकार की प्रशंसा करते थकने नही है,वही पीओके के लिए सौतेला व्यवहार किया जाता है।पुलिस की मांग को सरकार नही मानती है,तब तक पीओके का पुलिस महकमा वापस लौटने के लिए राजी नही है।सरकार ने बजट का हवाला देकर फिर से नौकरी पर लौटने के लिए आग्रह किया गया है,लेकिन पुलिस अडिग है।पाकिस्तान खैबर में टीडीपी के 17 आतंकवादियों का खात्मा किया गया।उधर,बलूचिस्तान में संघर्ष में पाकिस्तान के 15 जवान शहीद हो गए।देश मे अराजकता व्याप्त है।ये पालतू प्रशिक्षित आतंकवादी सरकार के लिए बहुत बड़ा खतरा होगा।जिस दिन पुलिस की तरह देश मे आतंकी बगावत पर उतर आएंगे,तब पाकिस्तान सरकार और आवाम के लिए युद्ध जैसी स्थिति बनेगी।क्योकि जिन लोगो को पाकिस्तान पाल रहा है।वो सरकार के लिए खतरा खड़ा करने में कोई कसर नही छोड़ेंगे।पाकिस्तान में पिछले दिनों आतंकी आकाओ पर कहर बरपा और एक एक कर मोस्टवांटेड आतंकियों को मौत के घाट उतारा गया।आवाम के साथ की जा रही अवहेलना का उदाहरण स्वरूप यह आंदोलन है।सरकार को अब होंश आ जाना चाहिए।वर्षो से चल रही उपेक्षा, भ्रष्टाचार और लोगो के साथ ज्यादती का परिणाम है कि आवाम बुनियादी सुविधा के लिए मोहताज है।नागरिकों के स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छ पानी जैसे मौलिक अधिकारों से वंचित रखा जाता है।इस जंगलराज और फौज से परेशान होकर पीओके की जनता का गुस्सा सातवें आसमान पर है।पीओके के हिंसक प्रदर्शन में भी लोग घायल हुए है।रक्षा मंत्री राजनाथसिंह सिंह ने पिछले दिनों कहा कि जनता परेशान और त्रस्त है।पीओके की जनता खुद चल कर भारत मे शामिल होने के लिए तैयार होगी।क्योंकि उनकी जिंदगी बदतर हो गई है।45 से 46 लाख जनसंख्या 85,793 किलोमीटर के क्षेत्रफल की हिस्सेदारी से पीओके में रह रही है।उनके यहां बिजली बराबर नही आती है।बिजली के लिए जनता परेशान है।सरकार की तरफ से राशन या खानेपीने की चीज वस्तुओ का अभाव और जनता के साथ दुर्व्यवहार करने की दिनचर्या बन गई है।इन मुस्किल हालात में जनता समझौता नही करना चाहती है।पीओके भारत मे आतंकी भेजने के लिए लॉन्च पैड के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।पाकिस्तान फौज लोगो को परेशान करती है।पीओके भारत मे शामिल हो जाने पर, भारत मे घुसने वाले आतंकवादी बन्द हो जाएंगे।यह भारत के लिए बड़ी ताकत के रूप में काम आ सकता है।क्योंकि भारत सरकार के अधीन पीओके से आतंकवादियो को रोकने में सफलता

मिलेगी।लोगो के गुस्से से पाकिस्तान के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी हो गई है।पीओके के साथ सौतेला व्यवहार पाकिस्तान को भारी पड़ रहा है।पुलिस भी सरकार के अधीन नही है।तब सवाल उठता है कि जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी का क्या होगा?पाकिस्तान के कब्जे वाली कश्मीर में तीन बड़े शहरों मेंपाकिस्तान सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी है।क्षेत्र में बंद के दौरान प्रतिष्ठान बंद रहे।इलाको में मशाल और मोटरसाइकिल लेकरमार्च निकाला गया।सरकार के खिलाफ जनता घरों से निकल चुकी है।सेना ने उन शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कारियो पर गोलियां चलाई है।2022 और 2023 में भी जनता सड़को पर उतरी थी।जनता जानती है कि सरकार कुछ परिवर्तन करने वाली नही है।जिस तरह से पीओके के हालात बदतर हुए है,उससे तो लोगो का जीवन नरकगामी बनता जा रहा है।बगावत का सुर तेज हो गया है।पाकिस्तान सेना और सरकार मिलकर आतंकी कैम्प बना रहे है।भारतीय सेना नेऑपरेशन सिंदूर में तबाह कर दिए थे।पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज आने वाला नही है।कुत्ते की दुम 12 साल के बाद भी वैसी की वैसी ही थी।यह कहावत है कि वो सुधरने वाला नही है।

विश्व पशु दिवस : पशुओं के प्रति हमारी नैतिक ज़िम्मेदारी

दिलीप कुमार पाठक

'किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां पशुओं के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है' एक राष्ट्र तभी समृद्ध होगा जब वह पशुओं के जीवन को मानव जीवन के समान मूल्यवान समझेगा' पशुओं को लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के विचार सभी को जानना चाहिए' महान विचारक श्री अरविंदो भी यही कहते थे जीवन तो जीवन है - चाहे वह बिल्ली में हो, कुत्ते में हो या मनुष्य में। बिल्ली और मनुष्य में कोई अंतर नहीं है। अंतर का विचार मनुष्य के अपने लाभ के लिए एक मानवीय अवधारणा है। हैरियट बीचर स्टोव कहते थे - जानवरों के साथ अपने व्यवहार में हमें यह याद रखना चाहिए कि वे हमारे पूर्वजों की ओर से हमें दी गई एक पवित्र धरोहर हैं। वे गूंगे हैं और अपनी बात नहीं कह सकते। अतः हमें इस धरोहर को सम्भालना चाहिए '

अभी कुछ दिनों पहले आवारा कुत्तों को लेकर दिल्ली में अमानवीयता देखने को मिली थी, परंतु कोर्ट ने कुत्तों के जीवन को भी उपयोगी बताते हुए लोगों की अमानवीयता पर रोक लगाई थी कि कुत्ता हो या कोई अन्य जीव सभी का जीवन महत्तवपूर्ण है ' खासकर जानवर भी हमारे आसपास रहते हैं जिससे प्रकृति संतुलित रहती है '

प्रत्येक 4 अक्टूबर को विश्व पशु कल्याण दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है। यह दिन पूरे विश्व में मनाए जाने वाले प्रमुख दिनों में से एक है ' विश्व स्तर पर विश्व के बुद्धिजीवियों ने पर्यटकों के संरक्षण और संरक्षण के लिए इस दिन की शुरूआत की थी, जिसे पूरे विश्व में जानवरों के संरक्षण और जागरुकता के लिए मनाया जाता है ' यह दिवस मानव की समृद्धि में एक प्रमुख कारक है, प्राकृतिक आपदाओं से, जहां मनुष्य खुद को किसी भी तरह से बचा लेता है, लेकिन वह पशुओं को बचा नहीं पाता है । 4 अक्टूबर को हम 'विश्व पशु कल्याण दिवस' मानते हैं, यह एक अन्तराष्ट्रीय दिवस है ' यह दिन एसीसी केसेंट फ्रांसिस का जन्मदिवस भी है जो कि पशुओं के महान संरक्षक थे' देखा जाए तो विश्व पशु कल्याण दिवस की शुरूआत 1931 ई.पू. में परिस्थिति विज्ञानशास्त्रियों के सम्मलेन में इटली के शहर फ्लोरेंस में की गई थी` अब तक युनाइटेड नेशंस ने पशु कल्याण पर एक सार्वभौम घोषणा के नियम एवं निर्देश के अनेक अभियानों की शुरूआत की है, पृथ्वी की दृष्टि से, संयुक्त राष्ट्र ने घोषणा किया कि जानवरों के दर्द और पीड़ा के सन्दर्भ में उन्हें प्राणी के रूप में पहचानने की बात कही गई है, जिससे उनकी जान की रक्षा करना सभी का उत्तरदायित्व होना चाहिए लेकिन विश्व पशु कल्याण दिवस का मूल उद्देश्य पशु कल्याण मानकों में सुधार करना, और असंख्य लोगों को पशुओं के प्रति जागरूक करना ' खासकर जिन्होंने अब तक पशुओं के जीवन को भी महत्पूर्ण माना है उन विद्वानों के प्रति प्रेम एवं कृतज्ञता प्रकट करना तो है ही साथ ही पशुओं का जीवन सक्षम और बेहतर हो सके। विश्व पशु दिवस का मुख्य उद्देश्य पशुओं के प्रति लोगों के व्यवहार और उनके जीवन पर इसके प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इस दिन का उद्देश्य पशुओं के लिए बेहतर जीवन परिस्थितियों को सुनिश्चित करना है, जिसमें उनके लिए बचाव आश्रय प्रदान करना, धन जुटाना और पशु कल्याण कार्यक्रम शुरू करना शामिल है। इस दिन के माध्यम से पशुओं के प्रति क्रूरता के बारे में भी जागरूकता फैलाई जाती है, जैसे कि उन्हें मारना-पीटना, पत्थर मारना, और गलत कामों के लिए उनका इस्तेमाल करना। इसका उद्देश्य पशुओं के जीवन को बेहतर बनाने और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। हालांकि अभी भी पशुओं के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है '

अभी दुनिया भर में जानवरों के प्रति क्रूरता के विडिओ आते रहते हैं, हम अपने आसपास भी लोगों को देखते रहते हैं ' तब सवाल उठते हैं कि दुनिया पढ़ लिखकर आगे बढ़ रही है या क्रूर हो रही है ' ईश्वर ने इंसान को जुबां, के साथ सोचने, समझने, कमाने की समझ दी है, वहीं जानवरों को सोचने समझने की क्षमता नहीं दी यही कारण है कि इंसान की जिम्मेदारी पशुओं की रक्षा के प्रति ज़्यादा बढ़ जाती है '

अगर हम पशुओं के प्रति क्रूर हो जाएंगे तो प्रकृति इंसान के साथ क्रूर हो जाएगी चूंकि प्रकृति को असंतुलन स्वीकार नहीं है यही कारण है कि प्रकृति ने इंसान को समृद्ध करके भेजा है ' बेजुबान जानवरों के प्रति हम सब की नैतिक जिम्मेदारी बनती है, हम सभी को सुनिश्चित करना होगा, जिससे हम अपनी शिक्षा एवं अपने मानवीयता का पालन करते हुए पशुओं की रक्षा करें ', गुरु नानक देव जी, महात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे, जैसे महापुरुषों ने किसी भी जीव के प्रति हम सभी के नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी है '

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जी.डी.ए. में जोश चाहिए तो निशांत कुमार को लाना होगा

CM हाउस पहुंचे कार्यकर्ता बोले-हिलसा से चुनाव लड़ें; मुख्यमंत्री ने कहा- इस पर सोचेंगे

पटना। बिहार की पॉलिटिकल पार्टियां चुनावी मोड में आ चुकी हैं। इसी कड़ी में आज शुक्रवार को नीतीश कुमार ने पार्टी कार्यकताओं से बात की। पटना में सीएम हाउस में करीब 400 कार्यकर्ता पहुंचे। जिनसे सीएम नीतीश ने सरकारी योजनाओं को लेकर फीडबैक लिया। मीटिंग में आए कुछ नेताओं ने नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को राजनीति में लाने की मांग की। नालंदा से आए जिलाध्यक्ष अजीत चंद्रवंशी ने कहा, 'हमने मुख्यमंत्री से कहा, अगर पार्टी में जोश लाना है तो निशांत कुमार को पार्टी में लाना होगा। हम लोग चाहते हैं कि निशांत भी नीतीश कुमार की तरह जज्बे के साथ राजनीति में उतरें। मुख्यमंत्री ने कहा है, वो इस पर विचार करेंगे।' वहीं हिलसा से जिला उपाध्यक्ष आए भरत शर्मा ने कहा, 'पूरे जिले के कार्यकताओं ने एक साथ नालंदा में बैठकर इस पर विचार किया है और निशांत के चुनाव लड़ने की बात हमने मुख्यमंत्री के सामने रखी है।''सीएम ने आश्वासन दिया है कि उस पर विचार किया जाएगा। सीएम ने कहा कि, आप लोग अपने क्षेत्र में मेहनत करिए, हम लोग देखते हैं।'सभी नेता आज सीएम हाउस पहुंचे थे। अंदर एक मीटिंग हॉल में सब को बैठाया गया था। इसके बाद एक एक कर के सभी से सीएम ने मुलाकात की। करीब 3 घंटे चली मीटिंग में सभी क्षेत्र को लेकर नीतीश कुमार ने फीडबैक लिया है। NDA की ओर से जितनी भी योजना चलाई जा रही है। उसको जनता तक पहुंचाने के लिए सीएम ने कहा है। मीटिंग में सीएम नीतीश के साथ, राज्यसभा सांसद संजय झा, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, MLC संजय गांधी मौजूद थे। कार्यक्रम में दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा सहित कई मंत्री भी मौजूद रहे। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा कार्यक्रम में थोड़ा लेट पहुंचे तो सीएम ने टोका। सीएम नीतीश ने उनके आने पर कहा, 'आ गए...थोड़ा सा आप लेट से आते हैं।'इसके पहले 26 सितंबर को पीएम मोदी ने 75 लाख महिलाओं के खाते में राशि ट्रांसफर की थी। आज 25 लाख महिलाओं के खाते में 10 हजार भेजे गए।आज 25 लाख महिलाओं के राशि मिली। इसके साथ ही 10 हजार पाने वाली महिलाओं की संख्या 1 करोड़ हो गई। लाभार्थियों में 1 करोड़ नंबर पर समस्तीपुर की रहने वाली अंजू रहीं। उन्होंने सीएम नीतीश से कहा, 'इस पैसे को मिलने से हम काफी आगे बढ़ेंगे। हम अपने गांव में किराना दुकान खोलेंगे।''इससे पहले जब आपने महिला संवाद किया था, उससे काफी फायदा मिला। आपने 400 से पेंशन राशि को 1100 किया, 125 यूनिट बिजली फ्री कर दी है।'वहीं मंत्री विजय सिन्हा ने अंजू देवी की तारीफ करते हुए कहा, 'आपने जो सफलता की कहानी बताई है, इससे कई और महिलाओं को प्रेरणा मिलेगी। आपने समस्तीपुर को खेती के लिए फेमस कर दिया है।'हले की सरकार ने कोई काम नहीं किया: सीएममौके पर सीएम नीतीश ने कहा, 'आज 25 लाख महिलाओं को 10 हजार रुपए दिए गए। 26 सितंबर को पीएम मोदी ने इस योजना की शुरूआत की थी। 75 लाख महिलाओं को राशि दी गई थी। अब कुल 1 करोड़ महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल जाएगा।''इस योजना का फायदा राज्य की हर

25 लाख महिलाओं के खाते में सीएम ने भेजे 10 हजार

खाते में 10-10 हजार रुपए भेजे। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत राशि ट्रांसफर हुई।पटना में मुख्यमंत्री आवास में इसे लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के जरिएपैसे ट्रांसफर किए।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने बिहार की 25 लाख महिलाओं के

एक परिवार को दिया जाएगा। जो महिलाएं रह गई हैं, अगली डेट 6.10.2025 को उन्हें पैसे दिए जाएंगे। उसके बाद हर हफ्ते राशि दी जाएगी।''पहले की सरकार ने कोई काम नहीं किया। जब बीजेपी और जेडीयू की सरकार बनी, तब से बिहार के विकास में लगे हुए है। अब कानून का राज्य है।''पहली की सरकार ने महिला के लिए कुछ काम नहीं किया था। वो लोग बस इधर-उधर करते रहते हैं। हमने महिलाओं के लिए कितना काम किया है।'PM मोदी ने की थी शुरूआत, अब नीतीश ने दूसरे फेज की राशि भेजी इस योजना की शुरूआत 26 सितंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से की थी। उस दौरान प्रधानमंत्री ने 75 लाख महिलाओं के खातों में 10-10 हजार की राशि ट्रांसफर की थी। कार्यक्रम में कई जीविका दीदियों ने अपनी कहानियां साझा कीं। भोजपुर की रीता देवी की तेज रफ्तार में बातें सुनकर मुस्कुरा दिए और बोले थेआप कितनी तेजी से बोलती हैं, इतनी सारी योजनाएं गिना दीं!। वहीं, गया की नूरजहां खातून से प्रभावित होकर उन्होंने कहा आप हफ्ते में 50 महिलाओं को इकट्ठा कर अपनी बातें बताइए, इससे और लोग प्रेरित होंगे। महिलाएं नीतीश की कोर वोटर 2005 में सत्ता में आने के बाद से नीतीश कुमार महिलाओं के लिए योजना शुरू की हैं। सबसे पहले उन्होंने पंचायतों में महिलाओं को 50% रिजर्वेशन दिया। फिर शराबबंदी लागू कर दी। बीते 15 साल में बिहार में महिलाएं वोट बैंक बनकर उभरी हैं और उनका सपोर्ट NDA के साथ रहा है। 2020 विधानसभा चुनाव में 54.6% पुरुषों और 59.7% महिलाओं ने वोट डाले। 243 विधानसभा सीटों में 167 सीटों पर महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा वोट डाले। इनमें से 90 सीटों पर NDA को जीत मिली। NDA को कुल 125 सीटें मिली थीं।

2010 और 2015 में भी महिलाओं ने नीतीश कुमार की सरकार बनवाई थी। 2010 में पुरुषों की तुलना में 1.5% और 2015 में 9% महिलाओं ने ज्यादा वोटिंग की थी।मनीष कश्यप बोले-सरकार अपंग बना रही जन सुराज के नेता मनीष कश्यप ने पर वीडियो शेयर कर जीविका दीदियों से कहा, 'आप जो 10 हजार रुपए ले रही हैं। अगर आपने समय पर इसे नहीं चुकाया तो सिबिल स्कोर डाउन हो जाएगा।'

धमदाहा में गांधी जयंती पर बच्चों ने दी श्रद्धांजलि

पूर्णिया। धमदाहा में 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर एक कोचिंग सेंटर में अध्यापिका मोहिनी कुमारी के नेतृत्व में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर बच्चों ने महात्मा गांधी की तस्वीर पर तैल चित्र व पुष्प अर्पित कर राष्ट्रपिता को नमन किया।अध्यापिका मोहिनी कुमारी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि बापू का जीवन सत्य, अहिंसा और सादगी का आदर्श उदाहरण है।उनके विचारों पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने बच्चों को प्रेरित किया कि यदि वे गांधी जी के मार्ग का अनुसरण करेंगे तो न केवल उनका जीवन संवर जाएगा बल्कि समाज को भी नई दिशा मिलेगी।कार्यक्रम में संस्थान की शिक्षिका मोहिनी कुमारी व दूसरी शिक्षिका जुली कुमारी सहित दर्जनों छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।इसमें वैष्णवी कुमारी, मुस्कान कुमारी, ज्योति कुमारी, राजनंदनी कुमारी, चांदनी कुमारी, रोहित कुमार, शिवम कुमार, अमन कुमार, शिवांश, अनंत, कन्हैया समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्रा शामिल थे। सभी ने बापू की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।इस अवसर पर बच्चों ने शिक्षकों के समक्ष शपथ ली कि वे सत्य, अहिंसा और अनुशासन को अपने जीवन का हिस्सा बनाएंगे तथा गांधी जी के विचारों पर चलकर समाज में शांति और भाईचारे का संदेश फैलाएंगे।कार्यक्रम का समापन अध्यापिका मोहिनी कुमारी ने बच्चों के बीच चॉकलेट वितरण कर किया। इस दौरान पूरे परिसर में श्रद्धा, उत्साह और देशभक्ति का माहौल बना रहा।

पूर्णिया में वंदे भारत से कटकर 4 भाइयों की मौत

पूर्णिया। में शुक्रवार सुबह दशहरे का मेला देखकर लौट रहे 5 बच्चे वंदे भारत की चपेट में आ गए। इनमें से 4 बच्चों की मौके पर मौत हो गई। एक की हालत गंभीर है। घायल को पूर्णिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सभी एक ही परिवार से थे और रिश्ते में भाई थे। बच्चे बनमनखी प्रखंड के जानकीनगर थाना क्षेत्र के ठाकुरपट्टी वार्ड 4 के रहने वाले हैं। मृतकों की पहचान सुंदर कुमार (15), सिंटू कुमार (14), जिगर कुमार (14) और रोहित कुमार (15) के रूप में हुई है। घायल का नाम कुलदीप कुमार (12) है। सभी महादलित परिवार से हैं। ट्रेन की चपेट में आने से एक का कमर से नीचे का हिस्सा और दोनों हाथ कट गया। दूसरे के सिर के पीछे हिस्से में चोट लगी और तीसरे के ब्रेन में चोट लगी। एक का हाथ कटकर अलग हो गया। जबकि घायल के दोनों पैर ट्रेन की चपेट में आ गए हैं। हादसा कसबा थाना क्षेत्र के कटिहार-जोगबनी रेलखंड पर जवनपुर के पास हुआ।हादसे के वक्त मौके पर मौजूद लोगों ने बताया, सभी लोग रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे। जोगबनी

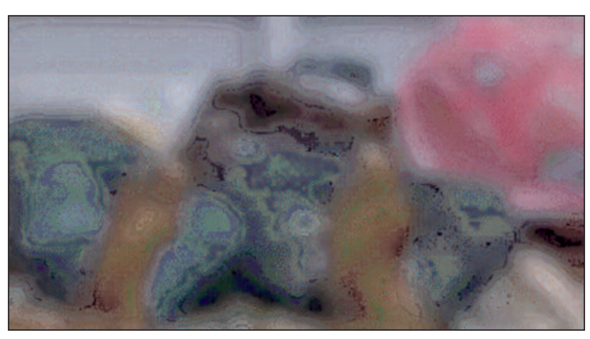

से दानापुर जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस वहां से गुजरी। ट्रेन सभी को उड़ाते हुए निकल गई। ट्रेन की रफ्तार इतनी तेज थी कि किसी को संभलने का मौका ही नहीं मिला।

एक ही परिवार के हैं सभी बच्चे मृतक श्यामसुंदर के पिता ब्रह्मदेव ऋषि ने बताया कि सभी मेला देखने कसबा गए थे। मृतकों में उनका बेटा, भतीजा और भगना शामिल है। वे लोग ठाकुरपट्टी के रहने वाले हैं। घर की माली हालत खराब होने की वजह से सभी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सपनी में रहकर मखाना फोड़ी का काम करते हैं। डेढ़ महीने से सभी वहां दरभंगा के ठेकेदार के अंदर रहकर मखाना फोड़ी का काम करते हैं। उन्हें मेहनताना के तौर पर 350 रुपए रोजाना के मिलते थे।

हादसे पर दुख जताते हुए बनमनखी विधायक कृष्ण कुमार ऋषिदेव ने कहा कि, 'मृतकों में जान गंवाने वाले सभी महादलित परिवार हैं। सभी बनमनखी के रहने वाले हैं। जिनकी उम्र 12 से 15 साल के बीच है। सभी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सपनी में रहकर मखाना फोड़ने का काम करते थे। मेला देखने कसबा गए थे। उसी दौरान हादसा हो गया।जानकारी मिली है कि दरभंगा के ठेकेदार के द्वारा नाबालिगों से मखाना फोड़ने का काम कराया जा रहा था। पुलिस प्रशासन इसका पता लगा रही है। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित परिवार को हर संभव मदद दी जाएगी।'पप्पू यादव के प्रतिनिधि ने की 20 लाख के मुआवजे की मांगसांसद पप्पू यादव के प्रतिनिधि राजेश यादव घटना की सूचना मिलते ही ॠटउळ पहुंचे। सांसद प्रतिनिधि ने हादसे में जान गंवाने वाले मृतक के परिवार वालों के लिए 20 लाख कैश और रेलवे में सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग की और कहा कि इसी घटना से मालूम पड़ेगा कि जो सरकार खुद को महादलितों का हितैषी बताती है, सही मायने में उसे लेकर कितनी हमदर्दी है।15 सितंबर को हुआ था शुभारंभबता दें कि सीमांचल को राजधानी पटना से जोड़ने वाली पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 सितंबर को वर्चुअल हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। 17 सितंबर से इसका नियमित परिचालन शुरू हुआ था। हादसे की खबर फैलते ही आसपास के गांवों से हजारों की भीड़ जुट गई। स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

चुनाव से पहले परबत्ता विधायक ने छोड़ा नीतीश का साथ

RJD में शामिल होंगे डॉ. संजीव; हॉर्स ट्रेडिंग मामले में चर्चा में रह

नाव की घोषणा से पहले नीतीश कुमार की पार्टी के विधायक पाला बदल रहे हैं। खगड़िया के परबत्ता से जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधायक डॉ. संजीव कुमार आज शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में शामिल होने जा रहे हैं। वे पिछले कुछ महीनों से पार्टी से नाराज चल रहे थे। खगड़िया के राजद जिलाध्यक्ष मनोहर कुमार यादव ने डॉ. संजीव के पार्टी में आने की पुष्टि करते हुए बताया कि 3 अक्टूबर को गोगरी में सदस्यता ग्रहण करेंगे।भगवान हाई स्कूल कैंपस में आयोजित एक समारोह में हजारों समर्थकों के साथ आधिकारिक तौर पर राजद की सदस्यता लेंगे। इस कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी उपस्थित रहेंगे। डॉ. संजीव सिंह का यह कदम JDU के लिए एक महत्वपूर्ण सीट पर बड़ा नुकसान माना जा रहा है। 2020 के

विधानसभा चुनाव में डॉ. संजीव सिंह ने परबत्ता सीट पर RJD के दिगंबर प्रसाद तिवारी को मात्र 951 वोटों के करीबी अंतर से हराया था। जदयू विधायक 2024 में हॉर्स ट्रेडिंग मामले को लेकर भी सुर्खियों में रह चुके हैं।टिकट कटने की चर्चा और ब्रह्मर्षि सम्मेलन जानकारों की माने तो डॉ. संजीव सिंह का जदयू और एनडीए से मोहभंग काफी पहले हो चुका था। हाल ही में उन्होंने पटना में ब्रह्मर्षि सम्मेलन आयोजित कर अपनी जाति के लोगों को गोलबंद करने का प्रयास किया था। पार्टी छोड़ने के पीछे मुख्य कारण आनेवाले विधानसभा चुनाव में JDU से टिकट कटने की चर्चा भी बताई जा रही है।

खुद भूमिहार समुदाय से आने वाले डॉ. संजीव का फखऊ में शामिल होना तेजस्वी यादव के लिए एक जीत मानी जा रही है, क्योंकि RJD लगातार अपने पारंपरिक ट

(मुस्लिम-यादव) समीकरण से बाहर निकलकर अन्य जाति समूहों में पैठ बनाने की कोशिश कर रही है। बता दें कि 27 सितंबर को परबत्ता में आयोजित विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन और 25 सितंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यक्रम में उनकी अनुपस्थिति ने पार्टी बदलने की अटकलों को और बल दिया था।डॉ. संजीव कुमार अपनी बेबाकी और विभिन्न मुद्दों पर स्पष्ट राय रखने के लिए जाने जाते हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा रहते हुए भी उन्होंने किसानों के अधिकारों, जमीन विवादों और निर्माण परियोजनाओं में अनियमितताओं जैसे विषयों पर अपनी ही सरकार की आलोचना की थी।हॉर्स ट्रेडिंग मामले में हो चुकी पूछताछ साल 2024 में एनडीए सरकार के फ्लोर टेस्ट से पहले हॉर्स ट्रेडिंग का मामला गरमाया। इस मामले की जांच आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) कर रही है। हॉर्स ट्रेडिंग को लेकर जुलाई 2025 में एजेंसी ने उनसे पूछताछ भी की थी। इस मामले में 22 दिन पहले जदयू विधायक डॉ. संजीव के बॉडीगार्ड से पूछताछ की थी। परबत्ता सीट पर परिवार की पकड़ बता दें कि परबत्ता सीट जदयू का पारंपरिक गढ़ मानी जाती रही है। यहां से कई बार संजीव के पिता विधायक रहे है। ऐसे में संजीव कुमार का आरजेडी में जाना जदयू की पकड़ कमजोर करेगा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि तेजस्वी यादव की पार्टी को खगड़िया और आसपास की सीटों पर संगठनात्मक ताकत की कमी थी। संजीव कुमार की एंट्री न केवल इस कमी को पूरा करेगी, बल्कि सवर्ण राजनीति में भी आरजेडी के लिए नए दरवाजे खोलेगी।

संक्षिप्त डायरी

पूर्णिया में फूंका 55 फीट ऊंचा रावण का पुतला

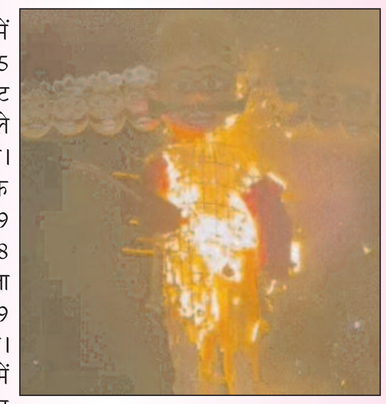

पूर्णिया । में विजयादशमी पर 55 फीट ऊंचे और 10 फीट चौड़े रावण के पुतले का दहन किया गया। रावण दहन के आयोजन मरंगा वार्ड 9 स्थित श्री श्री 108 सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति ग्राउंड में रात 9 बजे कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव शामिल हुए, जिन्होंने रावण दहन कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए रावण, मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतले को आग के हवाले किया।समिति के सदस्य नागेंद्र यादव, उपेंद्र यादव और उमेश यादव ने बताया कि 55 फीट ऊंचे और 10 फीट चौड़े विशाल रावण के 10 सिर लगाए गए थे। इसे तैयार करने में कारीगरों को महीनों का समय लगा है। कार्यक्रम में हर साल हजारों लोग शामिल होते हैं। इस बार भी इसे लेकर लोगों में खासा उत्साह है। आसपास के गांवों से भी लोग जुटते हैं और मेले जैसा माहौल बन जाता है।सनातन धर्म में विजयादशमी का विशेष महत्व माना जाता है। यह पर्व अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक है। रावण दहन कार्यक्रम धार्मिक और सांस्कृतिक दोनों ही दृष्टिकोण से बेहद अहम है।पिछले साल भी मुख्य अतिथि थे पप्पू यादवगौरतलब है कि पिछले साल भी मरंगा के इसी मैदान में रावण दहन कार्यक्रम के दौरान सांसद पप्पू यादव शामिल हुए थे। लेकिन उस दौरान बड़ा हादसा हो गया था। रॉकेट से निकली चिंगारी उनकी दाहिनी आंख में लग गई थी, जिससे वे जख्मी हो गए थे। उन्हें तुरंत मैक्स 7 अस्पताल ले जाया गया। इलाज के बाद वे रात में ही मधेपुरा रवाना हो गए थे। पिछले साल समिति की ओर से 40 फीट का रावण, 35 फीट का कुंभकरण और 30 फीट का मेघनाथ का पुतला तैयार किया गया था। सांसद ने ही दहन की शुरूआत की थी, तभी रॉकेट से तेज चिंगारी निकलकर उनके चेहरे तक पहुंची और वे घायल हो गए थे।पिछले साल की घटना को देखते हुए इस बार आयोजन समिति और प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने का दावा किया है। कार्यक्रम स्थल पर भीड़ नियंत्रण और आग से सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

पूर्णिया के बायसी में विसर्जन से पहले बड़ा हादसा

पूर्णिया। के बायसी में गुरुवार की शाम मां दुर्गा की प्रतिमा के विसर्जन से पहले बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार एक स्कॉर्पियो बेकाबू होकर सीधे पूजा पंडाल में जा घुसी। पंडाल में मौजूद 5 लोगों को टक्कर मारती हुई खेत में पलटी खा गई। इस हादसे में पुजारी की मौत हो गई, जबकि चार श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पूजा पंडाल में अफरातफरी मच गई। लोग जान बचाकर इधर-उधर जा घुसे। घटना बायसी थाना क्षेत्र के मीनापुर पंचायत के बैरिया सरबजिया स्थित दुर्गा मंदिर पंडाल की है। इस दर्दनाक हादसे में मंदिर के पुजारी भागवत महलदार (60) की मौत हो गई। पुजारी बायसी के ही बैरिया सरबजिया टोला के रहने वाले हैं। जबकि चार अन्य श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए पूर्णिया मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।हादसे में मंदिर में लगा लाउडस्पीकर और अन्य सजावट की सामग्री बर्बाद हो गई। हजारों की संख्या में श्रद्धालु वहां जुट गए। मौका देख चालक मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि स्कॉर्पियो चालक बैरिया सरबजिया गांव का ही रहने वाला है। हादसे के बाद से क्षेत्र में तनाव का माहौल है। लोग बड़ी संख्या में मंदिर परिसर और गांव में जुटे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार चालक की तलाश तेज कर दी गई है।

रूपौली में उपप्रमुख पर हमला करने वाला गिरफ्तार

पूर्णिया। के रूपौली पुलिस ने उपप्रमुख राजा पंडित पर जानलेवा हमला करने के आरोपी आलोक कुमार पंडित उर्फ पिंटू पंडित को गिरफ्तार कर लिया है।आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। यह हमला भूमि विवाद को लेकर हुआ था। सोमवार को आरोपी ने राजा पंडित पर जानलेवा हमला किया था।रूपौली थानाध्यक्ष अभय रंजन ने बताया कि यह घटना बीते सोमवार को हुई थी। रूपौली प्रखंड उपप्रमुख राजा कुमार पंडित पर उनके गांव गद्दिघाट में ही जानलेवा हमला किया गया था, जिसमें वे बुरी तरह घायल हो गए थे।पीड़ित राजा कुमार पंडित के आवेदन पर आलोक पंडित सहित पांच लोगों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, इस मामले में दूसरे पक्ष के किशोर पंडित ने भी उपप्रमुख राजा पंडित सहित पांच अन्य लोगों के खिलाफ लिखित आवेदन देने की बात कही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच विकेट पर 448 रन बनाये , राहुल , जुरेल और जडेजा ने लगाये शतक

–286 रनों की बढ़त हासिल की

अहमदाबाद (एजेंसी)। ध्रुव जुरेल 125, रविंद्र जडेजा नाबाद 104 और के एल राहुल 100 की शतकीय पारियों की सहायता से भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 448 रन बनाकर शिकंजा कस दिया। वहीं वेस्टइंडीज की टीम अपनी पहली पारी में 162 रन ही बना पायी थी। इस प्रकार पारी के आधार पर भारतीय टीम को 286 रनों की अच्छी खासी बढ़त मिल गयी है। मैच के दूसरे दिन भी भारतीय बल्लेबाज हावी रहे। जडेजा और जुरेल ने पांचवें विकेट के लिए 206 रन की साझेदारी कर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के सयम जडेजा नाबाद 104 और वाशिंगटन सुंदर 9 क्रीज पर मौजूद थे। वेस्टइंडीज की ओर से केवल कप्तान रोस्टन चेज ही दो विकेट ले पाये।

राहुल ने इस मैच में अपना 11 शतक पूरा किया। घरेलू सरजमीं पर यह राहुल का दूसरा टेस्ट शतक है। भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल 100 गेंद में 50 रन बनाकर चेज की गेंद पर आउअ हुए।

वहीं पहले दिन वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की थी। भारतीय तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के सामने वेस्टइंडीज के बल्लेबाज टिक नहीं पाये और पूरी टीम 162 रन ही बना पायी। सिराज ने 4 जबकि बुमराह 3 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर ने 2 और एक विकेट लिया। वेस्टइंडीज की तरफ से जस्टिन ग्रीव्स ने सबसे अधिकि 32 रन बनाये।

सिराज ने बनाया रिकार्ड

सिराज ने इस मैच में चार विकेट लेकर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। वह इस साल 30 टेस्ट विकेट लेने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप देशों के पहले गेंदबाज बन गए, उन्होंने मिशेल स्टार्क को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 29 विकेट लिए हैं।

भारत 'ए' महिला हॉकी टीम पांच मैचों के लिए चीन का दौरा करेगी, इन खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 'ए' महिला हॉकी टीम चीन के दौरे पर 13 से 21 अक्टूबर तक लियाओनिंग टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला खेलेगी। ये सभी मुकाबले दालियान के लियाओनिंग स्पोर्ट्स सेंटर में आयोजित किए जाएंगे।

यह दौरा भारतीय महिला हॉकी के भविष्य के लिए एक अहम कदम माना जा रहा है, जिसमें उभरती हुई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय अनुभव और मैच अभ्यास हासिल कर सकेंगी। आठ दिन के इस दौरे पर टीम 13, 15, 17, 19 और 21 अक्टूबर को लियाओनिंग टीम को चुनौती देगी। इस दौरे का लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में खुद को परखने और नयी चुनौतियों के लिए तैयार करने का मौका देना है।

अनुभवी डिफेंडर मनीषा चौहान टीम की कमान संभालेंगी जबकि भारतीय महिला हॉकी टीम के विश्लेषणात्मक कोच डेव स्मोलेनार्स इस दौरे के लिए मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। स्मोलेनार्स ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'हमने एक मजबूत और युवा टीम तैयार की है जिसमें जबरदस्त संभावनाएं हैं। चीन में होने वाली यह श्रृंखला खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने नए माहौल में सीखने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने का शानदार मौका देगी।'

भारत 'ए' टीम

गोलकीपर : बंसारी सोलंकी, माधुरी किंडो

डिफेंडर : मनीषा चौहान, अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति छत्री, महिमा चौधरी, अंजना डुंगडुंग

मिडफील्डर : सुजाता कुजूर, दीपिका सोरेंग, अजमीना कुजूर, पूजा यादव, बलजीत कौर, दीपी मोनिका टोप्पो

फॉरवर्ड : अलबेला रानी टोप्पो, रितिका सिंह, अन्नू, चंदना जगदीशा, काजल सदाशिव अटपडकर, सेलेस्टिना होरो।

रवींद्र जडेजा ने धोनी को पीछे छोड़ा, टेस्ट में चौथे सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में एक नई उपलब्धि दर्ज की है। उन्होंने अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच के दौरान चार छक्के जड़कर पूर्व कप्तान एमएस धोनी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अब जडेजा टेस्ट में भारत के लिए चौथे सबसे ज़्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय क्रिकेट के ताबड़तोड़ आक्रामक बल्लेबाजों की सूची में ऊंचा स्थान दिलाया।

जडेजा का रिकॉर्ड

36 वर्षीय जडेजा ने इस मैच में चार छक्के लगाए और अपने टेस्ट करियर में कुल 79 छक्कों तक पहुंच गए। यह संख्या एमएस धोनी के 78 छक्कों को पार कर गई। जडेजा ने अपनी आक्रामक पारी और निरंतर छक्कों की क्षमता से टीम के लिए दबाव बनाने का काम किया।

भारत में सबसे ज़्यादा छक्के

भारतीय टेस्ट क्रिकेट में जडेजा से अधिक छक्के केवल तीन बल्लेबाजों ने लगाए हैं: वीरेंद्र सहवाग (91), ऋषभ पंत (90) और रोहित शर्मा (88)। जडेजा ने यह मुकाम अपने आक्रामक बल्लेबाज़ी अंदाज़ और बड़े शॉट खेलने की कुशल तकनीक से हासिल किया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलना

विश्व टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज़्यादा छक्के इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के नाम हैं, जिन्होंने 179 पारियों में 136 छक्के जड़े। इसके बाद ब्रेंडन मैकुलम (107 छक्के) और एडम गिलक्रिस्ट (100 छक्के) का स्थान है।

महिला विश्व कप: इंग्लैंड की धमाकेदार शुरूआत, द. अफ्रीका को 69 रन पर ढेर कर दर्ज की बड़ी जीत

गुवाहाटी (एजेंसी)। लिंसे स्मिथ की अगुवाई में स्पिनरों के अथक प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से हराकर आईसीसी महिला विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। स्मिथ की अगुवाई में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका को महज 69 रनों पर ढेर कर दिया जिसके बाद मैच का नतीजा लगभग तय था। स्मिथ ने इस मैच में 7 रन देकर 3 विकेट लिए।

इंग्लैंड ने सलामी बल्लेबाज एमी जोन्स (40) और टैमी ब्यूमोंट (21) की बदौलत बिना किसी परेशानी के महज 14.1 ओवर में जीत हासिल कर ली। दक्षिण अफ्रीका की पारी की तरह गेंदबाजों ने भी थोड़ी स्विंग और धार दिखाई, लेकिन इंग्लैंड की बल्लेबाज कोई भी नई पारी खेलने के मूड में नहीं थीं। अनुभवी तेज गेंदबाज मारिजेन कैप ने ब्यूमोंट को कुछ बेहतरीन गेंदबाज़ी की, लेकिन इतने अकेले गेंदबाजों के दम पर इस लक्ष्य का बचाव नहीं किया जा सकता था।

इंग्लैंड के स्पिनर स्मिथ, सोफी एक्लेस्टोन (2/19) और चार्ली डीन (2/14) - असली हीरो साबित हुई जिन्होंने अपने बल्लेबाजों के लिए लक्ष्य का अविश्वसनीय रूप से आसान पीछा तैयार किया। बाएं हाथ की स्पिनर स्मिथ ने तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया और दक्षिण अफ्रीका को आईसीसी महिला विश्व कप में अपने दूसरे सबसे कम स्कोर पर समेट दिया। गेंदबाजों की पकड़ वाली पिच पर इंग्लैंड ने, जिसने क्षेत्ररक्षण का फैसला किया, दूसरे ओवर में ही स्मिथ (4-2-7-3) को गेंद थमा दी और इस कदम का तुरंत फायदा हुआ। स्मिथ ने दूसरे ओवर की दूसरी ही गेंद पर एक आसान रिटर्न कैच लपककर दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट को आउट कर दिया। स्मिथ ने चौथे ओवर में वापसी करते हुए ताजमिन ब्रिट्स को एक कोण से आती हुई गेंद पर आउट किया और छठे ओवर में उन्होंने अनुभवी कप्प को आउट कर दिया।

कप्प का आगे की ओर किया गया प्रयास गेंद तक नहीं पहुंच पाया और स्मिथ की गेंद स्टंप्स पर जा लगी। तेज गेंदबाज लॉरेन बेल ने सुने लुस को आउट किया और दक्षिण अफ्रीका पहले छह ओवरों में ही 19 रन पर चार विकेट खोकर लड़खड़ा रहा था, और वे उस स्थिति से कभी उबर नहीं पाए। दक्षिण अफ्रीका की कैप, लूक और ब्रिट के आउट होने के बाद मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने का पूरा दबाव था। लेकिन वे इस चुनौती को पूरा नहीं कर पाए और थोड़ी सुस्त पिच और सटीक इंग्लैंड के गेंदबाज़ों के आगे घुटने टेक दिए।

इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट (2/5) ने क्लो ट्रायोन और नादिन डी क्लार्क को आउट करके दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें और बढ़ा दीं और इस तरह देर से वापसी की कोई भी संभावना भी खत्म हो गई। दक्षिण अफ्रीकी पारी में केवल सिनालो जाफ्टा ही दो अंकों का आंकड़ा पार कर पाए, जिससे पता चलता है कि उस दिन उनकी कितनी मुश्किलें थीं। विकेटकीपर बल्लेबाज जाफ्ता (22) ने कुछ संघर्ष दिखाया, लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका को आईसीसी के सबसे बड़े टूर्नामेंट में अपने न्यूनतम स्कोर 51 पर सिमटने से बचा सकीं।

शुभमन ने की गावस्कर के 47 साल पहले बनाये रिकार्ड की बराबरी

अहमदाबाद। भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी संभालने के बाद से ही शुभमन गिल छाये हुए हैं। अब शुभमन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही कप्तान के तौर पर 47 साल पुराने सुनील गावस्कर के रिकार्ड की बराबरी की है। गावस्कर ने साल 1978 में अपने पहले घरेलू टेस्ट में अर्धशतक जमाया था और अब शुभमन ने भी घरेलू धरती पर कप्तानी करते हुए अपने पहले ही मैच में अर्धशतक लगाया है। शुभमन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 91 गेंदों पर अपना अर्धशतक लगाया। इससे कप्तान के तौर पर उनका मनोबल और बढ़ा है। अर्धशतक के बाद शुभमन ने तेजी से रन बनाये पर रोस्टन चेज़ की गेंद पर रिवर्स स्वीप के प्रयास में 57 रन बनाने के बाद भी आउट हो गए। इससे पहले शुभमन ने इंग्लैंड दौरे में अपने 5 मैचों में 754 रन बनाए थे।

बुमराह ने बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। बुमराह ने पहली पारी में 42 रन देकर तीन विकेट लेने के साथ ही अपनी ही धरती पर 50 विकेट पूरे किए। बुमराह ने ये विकेट केवल 13 मैचों में ही हासिल किए। भारतीय धरती पर बुमराह का औसत 17 विकेट है। टेस्ट क्रिकेट इतिहास में 50 से अधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों में ये सबसे अच्छा औसत है। पिछले 113 साल में दुनिया में कोई भी खिलाड़ी इस मामले में बुमराह से बेहतर नहीं कर पाया।

बुमराह से बेहतर औसत वाले तीन खिलाड़ियों में से दो ने 19वीं सदी में खेला था। वहीं 21वीं सदी में खेलने वाले एकमात्र खिलाड़ी सिडनी बार्न्स थे। बुमराह का घरेलू स्ट्राइक रेट 35.1 है, ये इतिहास में तीसरा सबसे अच्छा है। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के मार्को जैनसन 33.8 और पहले नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा 35.00 हैं। इसके अलावा, बुमराह टेस्ट क्रिकेट में 200 से अधिक विकेट लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं जिनका औसत 20 से कम 19.74 है।

मीराबाई चानू ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में रचा इतिहास, 199 किग्रा का वजन उठाकर अपने नाम किया सिल्वर मेडल

फोर्डे (नॉर्वे) (एजेंसी)। भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने नार्वे के फोर्डे में जारी वर्ल्ड चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया है। उन्होंने इस प्रतियोगिता में 199 किग्रा का वजन उठाकर सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। अब आखिरकार इस प्रतियोगिता में उनका ये तीसरा मेडल है। वह कुंजारानी देवी और कर्णम मल्लेश्वरी के बाद दो से ज्यादा वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल जीतने वाली तीसरी भारतीय वेटलिफ्टर बन गई हैं।

बता दें कि, मीराबाई पिछले कुछ सालों में मानसिक और शारीरिक तना से काफी जूझ रही थीं। पेरिस ओलंपिक और उससे पहले एशियन गेम्स 2023 में चौथे स्थान पर रहते हुए निराशा उनके हाथ लगी थी। 48 किग्रा वर्ग में मीराबाई ने स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 115 किलोग्राम समेत कुल 199 किग्रा का भार उठाते हुए दूसरे स्थान पर कब्जा किया। वह उत्तर कोरिया कि रि सोंग गुम से पीछे रह गईं और गोल्ड मेडल जीतने से चूक गईं। रि सोंग ने कुल 213 किलो का भार उठाकर गोल्ड अपने नाम किया। जबकि चीन की थान्याथन ने ब्रॉन्जमेडल जीता। स्नैच राउंड के बाद चीन की वेटलिफ्टर मीराबाई चानू से 4 किलोग्राम आगे चल रही थीं। लेकिन क्लीन एंड जर्क में मीराबाई ने कमाल किया और 1 किलो की कुल लीड से सिल्वर मेडल भारत की झोली में डाल दिया। वहीं मीराबाई आखिरी बार टोक्यो ओलंपिक में दिखी थीं। जहां उन्होंने 115 किलोग्राम का भार क्लीन एंड जर्क में उठाया था। वहां भी उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। उसके बाद पिछले चार सालों में वह लगातार चोट और सर्जरी से गुजर रही हैं। हालांकि, 2022 वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। वर्ल्ड चैंपियनशिप के मंच पर सिल्वर मेडल जीतने के बाद वह प्लेटफॉर्म से सीधा अपने कोच विजय शर्मा के पास गईं और उनका धन्यवाद किया।

गगनजीत भुल्लर जकार्ता इंटरनेशनल चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर पहुंचे

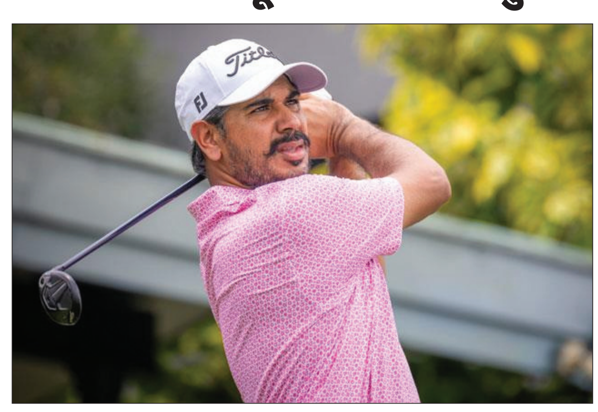

जकार्ता। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर वर्षा से बाधित जकार्ता इंटरनेशनल चैंपियनशिप के शुरुआती दो दौर में एक समान पांच अंडर 65 का कार्ड खेल शुक्रवार को दूसरे स्थान पर रहे। भुल्लर अब थाईलैंड के पावित टांगकमोलप्रासर्ट (64–65) से सिर्फ एक शॉट पीछे हैं, हालांकि दूसरे दिन का खेल अभी पूरा नहीं हुआ है। 37 साल के खिलाड़ी ने पहले दौर की शुरुआत ईगल के साथ की, लेकिन अंधेरा होने के कारण पहने दिन का खेल पूरा नहीं कर पाये। उन्होंने शुक्रवार को सुबह अपने पहले दौर को पूरा किया और फिर दूसरे दौर के बाद अपना कुल स्कोर 10 अंडर कर लिया। भुल्लर के एशियन टूर पर कुल 11 खिताब हैं, जिनमें से पांच जीतें उन्होंने इंडोनेशिया में हासिल की हैं। अब वह इस देश में अपनी छठी जीत की तलाश में हैं। अन्य भारतीयों में एस. चिक्कारंगप्पा ने पहले राउंड में 69 और दूसरे में 67 का स्कोर किया। वह संयुक्त 26वें स्थान पर है। राहिल गंगजी, खालिन जोशी, विराज मडप्पा , करणदीप कोचर और अजीतेश संधू, एसएसपी चौरसिया और युवराज संधू का दूसरे दौर का खेल खत्म नहीं हुआ है।

यूरोपा लीग : रोमा ने तीन बार पेनल्टी गंवाई, लिली ने 1–0 से हराया

रोम। रोमा ने मैच के आखिर मिनटों में पेनल्टी स्पॉट से लगातार तीन प्रयास गंवा दिए जिससे लिली ने यूरोपा लीग फुटबॉल में इटली की इस क्लब को 1–0 से हरा दिया। रोमा को मुकाबले में बराबरी करने के लिए स्पॉट से तीन मौके दिये गये लेकिन आर्टेम डोवबिक के शुरुआती दो प्रयास पर गोलकीपर बर्क ओजर ने शानदार बचाव किया। रेफरी ने गोल पोस्ट के पास अधिक खिलाड़ियों की मौजूदगी के कारण फिर से पेनल्टी का आदेश दिया। रोमा ने इस बार पेनल्टी लेने के लिए माटियास सोले को चुना लेकिन ओजर ने उनके प्रयास को भी विफल कर दिया। इससे पहले मैच के छठे मिनट में हाकोन अर्नार हेराल्डसन ने गोल कर फ्रांस की इस टीम का खाता खोला। लिली की यह दो मैचों में लगातार दूसरी जीत है। अन्य मैचों में ब्रागा ने सेल्टिक और रीयाल बेटिस ने लुडोगोरेट्स को एक समान 2–0 से हराया। केरेम अकतुर्कोग्लू के दो गोल की मदद से फेनरबाचे ने नीस पर 2–1 से जीत दर्ज की। गो अहेड ईगल्स ने इसी अंतर से पैनाथिनाइकोस को हराया। टीम के लिए दोनों गोल मिलान स्मिट ने किये। चेक रिपब्लिक क्लब विक्टोरिया प्लजेन ने स्वीडिश क्लब माल्मो पर 3–0 से अपनी पहली जीत दर्ज की।

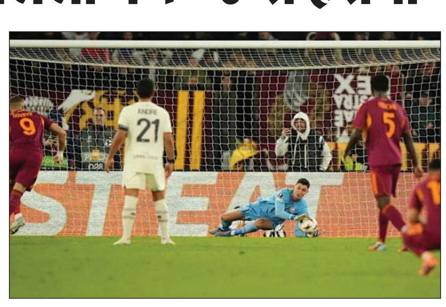

ऋषभ गोल्फ खेलते दिखे

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौर में चोटिल होने के बाद से ही भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आजकल गोल्फ खेलकर समय बिता रहे हैं। ऋषभ का गोल्फ खेलते हुए का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। उन्हें अभी तक फिटनेस हासिल नहीं करने के कारण ही वेस्टइंडीज के खिलाफ भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। अभी उनकी जगह पर युवा ध्रुव जुरेल को विकेटकीपर एक तौर पर रखा गया है। ऋषभ जुलाई में इंग्लैंड दौरे के समय ही पैर की चोट के कारण बाहर हो गए थे। इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया में एक लिखा- फ्रगेंद हर जगह गई। सिवाय इसके की जहां उसे चाहिए था। वीडियो में वह गेंद को पुट करने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं अंत में होल में डालने के बाद उत्साहित नजर आये। वह चोटिल होने के कारण ही वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में भी वापसी नहीं कर पाये। अब माना जा रहा है कि इस माह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में वह वापसी कर सकते हैं।

संन्यास के बारे में नहीं सोच रही, मेरा ध्यान मानसिक मजबूती पर : तीरंदाज दीपिका कुमारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चार बार की ओलंपियन तीरंदाज दीपिका कुमारी ने संन्यास की योजनाओं को खारिज करते हुए कहा कि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक में देश के प्रतिनिधित्व के लक्ष्य के साथ दबाव वाली परिस्थितियों से निपटने के लिए मानसिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के समय दीपिका की उम्र 34 साल हो जायेगी। उन्होंने शुक्रवार को यहां कहा कि यह ओलंपिक में उनके लिए आखिरी मौका होगा ऐसे में उनकी मानसिकता 'करो या मरो' की होगी।

दीपिका ने यहां तीरंदाजी प्रीमियर लीग के शुरुआती दिन कहा, 'यह मेरे करियर का अंतिम चरण नहीं है। मैंने अभी इस बारे में फैसला नहीं किया है। मुझे लगता है अब तक की सभी प्रतियोगिताओं से मुझे अच्छा अनुभव मिला है।' दीपिका ने बताया कि उनकी मौजूदा ट्रेनिंग में मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं को बेहतर करने पर काम हो रहा है। इस

अनुभवी तीरंदाज ने कहा, 'मैं अपने खेल के मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं पर काम कर रही हू और यह लीग मुझे और बेहतर बनाने में मदद कर रही है। दर्शकों के सामने खेलने से दबाव तो आता है, लेकिन यही दबाव खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करता है।' उन्होंने कहा, 'मैं हर तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिश कर रही हूं। मुझे पहले भी टूर्नामेंट के अहम मैचों में अक्सर मानसिक रूप से परेशानी होती रही है, जिसकी वजह से परिणाम मेरे पक्ष में नहीं आते थे।'

उन्होंने कहा, 'मैं विभिन्न तरह की परिस्थितियों को मन में सोच कर अभ्यास कर रही हूं, मानसिक प्रशिक्षण ले रहा हूं। मैं हर समय इस खेल के बारे में सोच रही हूं। मैं कड़ी मेहनत कर रही हूं।' दीपिका ने ओलंपिक खेलों में कंपाउंड तीरंदाजी को शामिल किए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे भारत की पदक की संभावनाएं काफी बढ़ जाएंगी। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं क्योंकि कंपाउंड तीरंदाजी अब ओलंपिक का हिस्सा है। हर कोई सोच रहा था कि यह कब होगा और आखिरकार हो ही गया। कई टूर्नामेंटों में हमारे पदकों की संख्या पहले ही बढ़ चुकी है और हमारी कंपाउंड टीम बहुत मजबूत है।'

दीपिका ने भारत में आयोजित हो रही पहली तीरंदाजी प्रीमियर लीग की भी सराहना करते हुए कहा कि लंबे समय से ऐसे कदम की जरूरत थी और इससे देश के तीरंदाजों को काफी फायदा होगा। उन्होंने कहा, ''हम यहीं भारत में एक टूर्नामेंट खेल रहे हैं और मैं बहुत उत्साहित हूं क्योंकि पहली बार ऐसी लीग शुरू हुई है। हम इसका लंबे समय से इंतज़ार कर रहे थे।'

हजारों वर्षों से विश्वभर में मशरूमों की उपयोगिता भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ हृदय और हृदय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है। पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

मशरुम की खेती

मशरुम की उपयोगिता

भारत में मशरुम की खेती-आम प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉश्चयरीकृत कूडा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पदधातियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है। आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्ररोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) ः 150-180 डिग्री से; नमीः 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सब्स्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अतः 100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है।

प्लयूरोटस, ऑएस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ :- प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी. फ्लोरिडा, पी. सैपीडस, पी. फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्ररोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊचांई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्तूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊचांई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्तूबर से मार्च है।

आवश्यक सामान

1. धान के तिनके – फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।
2. 400 गेज के प्रमाप की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट – एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए।
3. लकड़ी के सांचे – 45ङ्क30ङ्क15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44ङ्क29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।
4. तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।
5. तिनकों को उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)
6. जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां
7. टाट के बोरे 8. स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।
9. एक स्प्रेयर 10. तिनकों के भंडारण के लिए शेड 10ङ्क8 मी. आकार का।

स्पानिंग

प्रक्रिया

कूड़ा खाद तैयार करना

कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से. मी. लंबे टुकडों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढ़ेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढ़ेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा। गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूल्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिग्निन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूडा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्टूटे को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूडा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं। अतः, इन सबस्टूट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्वियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

कटाई

थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सबट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो ङ्क100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजेरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

मशरूम गृह/कक्ष

क्यूब तैयार करने का कक्ष

एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यतानुसार होना चाहिए। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उठमायन कक्ष

उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

फसल कक्ष

एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंतर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छप्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयतः सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नही है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी। छत मोटे छापर की तहो अथवा वरीयतः सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छप्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एंव पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है। अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयतः दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पंक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0X2.5X2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

विधि

भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकडों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें। चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-डुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए। बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नेमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए। लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए। स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुनः स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए। अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोडी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए। बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकर खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से. से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए।

पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है।

अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए। नारियल की रस्सी से ब्लॉक को अनुप्रस्थ रूप में बांध दीजिए तथा इसे फसल कक्ष में लटका दीजिए। इस अवस्था से आगे कमरे की सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ऐसे दीवारों तथा कमरे की फर्श पर जल छिड़क करके समय-समय पर किया जा सकता है। यदि फर्श सीमेंट का है, तो सलाह दी जाती है कि फर्श पर पानी डालिए ताकि फर्श पर हमेश पानी रहे। यदि खंड हल्का से सूखने का लक्षण जिससे लगे तो स्प्रेयर के माध्यम से स्प्रे किया जा सकता है।

एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर ब्लॉक की सतह पर छोटे-छोटे पिन शीर्ष दिखाई पड़ेगे तथा ये एक या दो दिन के भीतर पूरे आकार के मशरूम हो जाएंगे।

जब फल बनना शुरू होता है तो हवा की जरूरत बढ़ जाती है। अतः जब एक बार फल बनना शुरू हो जाता है तो आवश्यक है कि हर 6 से 12 घण्टो बाद कमरे के सामने और पीछे दिए गए वेंटीलेटर खोलकर ताजी हवा अंदर ली जाए। जब आवरणों की परिधि ऊपर की ओर मुड़ना शुरू हो जाती है तो फल काया (मशरूम) तोड़ने के लिए तैयार हो जाते है। ऐसा जाहिर होगा क्योंकि छोटी-छोटी सिलवटें आवरण पर दिखाई पड़ने लगती है।

मशरूम को काटने के लिए अंगूठे एवं तर्जनी से आधार पर डाल को पकड़ लीजिए तथा हल्के क्लाकवाइज मोड़ से पुआल अथवा किसी छोटे मशरूम उत्पादन को विक्षोभित किए बिना मशरूम को डाल से अलग कर लीजिए। काटने के लिए चाकू अथवा कैंची का इस्तेमाल मत करें। एक सप्ताह के बाद ब्लॉक में फिर से फल आने शुरू हो जाएंगे।

उपज

मशरूम प्रवाह में दिखाई पड़ते है। एक क्यूब से लगभग 2 से 3 प्रवाह काटे जा सकते है। प्रथम प्रवाह की उपज ज्यादा होती है तथा तत्पश्चात धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा एक क्यूब से 1.5 किग्रा से 2 किग्रा तक के ताजे मशरूम की कुल उपज प्राप्त होती है। इसके बाद क्यूब को छोड़ दिया जाता है तथा फसल कक्ष से काफी दूर पर स्थित एक गड्ढे में पाट दिया जाता है अथवा बगीचे अथवा खेत में खाद के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

रोग एवं पीट

यदि मशरूम की देखभाल न की जाए तो अनेक रोग एवं पीट इस पर हमला कर देते हैं।

रोग

1. हरी फफूंद (ट्राइकोडर्मा विरिडे) : यह कस्तूरा कुकुरमुत्ते में सबसे अधिक सामान्य रोग है जहां क्यूबों पर हरे रंग के धब्बे दिखाई पड़ते है।

1. नियंत्रण : फॉर्मालिन घोल में कपड़े को डुबोइए (40 प्रतिशत) तथा प्रभावित क्षेत्र को पोंछ दीजिए। यदि फफूंदी आधे से अधिक क्यूब पर आक्रमण करती है तो सम्पूर्ण क्यूब को हटा दिया जाना चाहिए। इस बात की सावधानी रखी जानी चाहिए कि दूषित क्यूब को पुनर्संक्रमण से बचाने के लिए फसल कक्ष से काफी दूर स्थान पर जला दिया जाए अथवा दफना दिया जाए।

कीड़े

2. मक्खियां : देखा गया है कि स्कैरिड मक्खियां, फोरिड मक्खियां, सेसिड मक्खियां कुकुरमुत्ते तथा स्पॉन की गंध पर हमला करती हैं। वे भूसी अथवा कुकुरमुत्ते अथवा उनसे पैदा होने वाले अण्डों पर अण्डे देती हैं तथा फसल को नष्ट कर देती हैं। अण्डे माइसीलियम, मशरूम पर निर्वाह करते हैं एवं फल पैदा करने वाले शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं तथा यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।

नियंत्रण : फसल की अवधि में बड़ी मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजों, खिडकियों अथवा रोशनदानों पर पर्दा लगा दीजिए यदि कोई, 30 मेश नाइलोन अथवा वायर नेट का पर्दा। मशरूम गृहों में मक्खीदान अथवा मक्खियों को भगाने की दवा का इस्तेमाल करें।

3. कुटकी : ये बहुत पतले एवं रेंगने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो कुकुरमुत्ते के शरीर पर दिखाई देते हैं। वे हानिकारक नहीं होते है, किन्तु जब वे बड़ी संख्या में मौजूद होते है तो उत्पादक उनसे चिंतित रहता है।

नियंत्रण : घर तथा पर्यावरण को साफ सुथरा रखें।

4. शम्बूक, घोंघा : ये पीट मशरूम के पूरे भाग को खा जाते हैं जो बाद में संक्रमित हो जाते हैं तथा वैक्टीरिया फसल के गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव डालते हैं।

नियंत्रण : क्यूब से पीटों को हटाइए तथा उन्हें मार डालिए। साफ सुथरी स्थिति को बनाये रखें।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत निर्वाचन आयोग का आज फाइनल बिहार दौरा... लगातार बैठकों का दौर

फिर दिल्ली पहुंचकर तीरिखों का ऐलान संभव

पटना (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग का फाइनल बिहार 4 अक्टूबर को होने वाला है। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय चुनाव आयोग की टीम शुक्रवार रात को पटना पहुंचेगी। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश्वर कुमार भी शनिवार को पटना आएंगे। 4 और 5 अक्टूबर को आयोग की टीम आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए लगातार बैठकें करेगी। फिर दिल्ली लौटने के बाद किसी भी समय सीईसी ज्ञानेश कुमार के द्वारा बिहार चुनाव की तारीखों का ऐलान हो सकता है। नियम के अनुसार चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही बिहार में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होगी।

चुनाव आयोग की बिहार के प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ 4 अक्टूबर को अहम बैठक है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से जारी पत्र के अनुसार बैठक पटना के होटल ताज में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक होगी। बैठक की अध्यक्षता मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार करने वाले है। इसमें मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बुलाया गया है। हर पार्टी से अधिकतम 3 प्रतिनिधियों को उपस्थित रहने की अनुमति मिलेगी। पत्र में बताया गया कि बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी तैयारियों पर चर्चा और आयोग राजनीतिक दलों से सुझाव भी लेगा। निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों से अनुरोध किया है कि वे अपने प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित करें और इसकी जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को उपलब्ध करा दें। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अमित कुमार पांडेय की ओर से जारी पत्र के अनुसार, आम आदमी पार्टी (आप), बहुजन समाज पार्टी (बसपा), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्ससिस्ट), इंडियन नेशनल कांग्रेस, नेशनल पीपुल्स पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी, लोक जन शक्ति पार्टी (रामविलास), राष्ट्रीय जनता दल, राष्ट्रीय लोक समता पार्टी और सीपीआई (एमएल) लिबरेशन जैसे दलों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

वहीं, पूर्व में मिली जानकारी के मुताबिक चुनाव आयोग की उच्चस्तरीय टीम बिहार दौरे में राज्य में कानून-व्यवस्था एवं चुनाव संबंधी तैयारियों सहित तमाम पहलुओं की समीक्षा करेगी। आयोग की टीम राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, सभी केंद्रीय एजेंसियों के राज्य प्रमुख, सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी, जिलों के वरीय पुलिस अधीक्षकों के साथ अलग-अलग बैठक करेगी।

राज्य निर्वाचन आयुक्त के साथ भी अलग से बैठक होगी। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में प्रतिनिधियों से सलाह एवं सुझाव लिए जाएंगे। 4 और 5 अक्टूबर को अलग-अलग बैठकों में तैयारियों की समीक्षा करने के बाद सीईसी और उनकी टीम दिल्ली वापस लौट जाएगी।

पेसमेकर ट्रांसप्लांट के बाद अस्पताल से घर लौटे मल्लिकार्जुन खड़गे, पीएम मोदी ने फोन कर जाना हालचाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और वे बहुत जल्द अपनी राजनैतिक गतिविधियां शुरू करने वाले है। इसकी जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट पर इंडियन नेशनल कांग्रेस की ओर से दी गई है। कांग्रेस ने खड़गे की तस्वीर शेयर कर लिखा कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को गुरुवार शाम अस्पताल से छुट्टी मिल गई। वे स्वस्थ हैं और आप सभी की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद देते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का बुधवार को बेंगलुरु के निजी अस्पताल में पेसमेकर ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक हुआ। खरगे के पुत्र प्रियांक खरगे ने इस बारे में बताया है। कर्नाटक सरकार में मंत्री खरगे ने कहा था कि खरगे के लिए पेसमेकर

ट्रांसप्लांट प्रक्रिया पूरी हो गई। यह एक छोटी और मामूली प्रक्रिया थी और प्रक्रिया के बाद उनकी हालत स्थिर है। उनके 3 अक्टूबर से अपना काम फिर से शुरू करने और अपने सभी निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल होने की उम्मीद है। इसके पहले खड़गे को मंगलवार को निजी अस्पताल में पेसमेकर ट्रांसप्लांट प्रक्रिया के लिए भर्ती कराया गया था। 2 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे से फोन पर बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने खड़गे के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

देश में अधिकारों और न्याय के लिए लड़ना अब देशद्रोह हो गया : उद्धव ठाकरे

-सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर केंद्र की आलोचना

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर केंद्र की आलोचना की। दशहरा मेला में ठाकरे ने कहा कि देश में अधिकारों और न्याय के लिए लड़ना अब देशद्रोह हो गया है। ठाकरे ने कहा कि वांगचुक देशद्रोही नहीं है, लेकिन पाकिस्तान में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उनपर देशद्रोह का आरोप लगा है। अगर वांगचुक को इसके लिए गिरफ्तार किया जा सकता है, तब नवाज शरीफ से मिलने मोदी जी के जाने के बारे में आप क्या कहेंगे? ठाकरे ने कहा कि वांगचुक का देश के लिए बड़ा योगदान है। उन्होंने लद्दाख में सेना के जवानों के लिए सोलर हीटेड टेंट बनाए। पानी के लिए

आइस स्तूप तकनीक विकसित की। अब उन्होंने लद्दाख के लिए आंदोलन शुरू किया, तब सरकार मानने को तैयार नहीं थी। दरअसल, सोनम वांगचुक को लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद 26 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया गया था। उन पर कठोर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत आरोप लगाए गए और उन्हें जोधपुर सेंट्रल जेल भेज दिया गया। 24 सितंबर को हुए प्रदर्शन में 4 लोगों की मौत हो गई थी।

करूर भगदड़ से जुड़े मामले, कोर्ट ने सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका खारिज की

मदुरै (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच में करूर भगदड़ से जुड़े मामले की सुनवाई हुई। जहां कोर्ट ने सीबीआई जांच की मांग वाली याचिकाओं को खारिज किया। वहीं, अतिरिक्त मुआवजा राशि की मांग वाली याचिका पर स्टालिन सरकार को नोटिस दे दिया है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता कोई पीड़ित नहीं, बल्कि एक पार्टी का नेता है। किसी एक व्यक्ति ने गलती की है, इसका मतलब यह नहीं कि पूरी जांच ही खत्म होगी। उन लोगों के बारे में सोचें जिन्होंने अपनी जान गंवा दी। अगर कोई पीड़ित हमारे पास आता है, तब हम उसकी मदद के लिए आएंगे। दरअसल, तमिलनाडु के करूर में 27 सितंबर को अभिनेता से नेता बने विजय की रैली में भगदड़ मची थी। जिसमें 41 लोग मारे गए थे और 100 से ज्यादा घायल हुए थे। इस मामले से जुड़ी 7 जनहित याचिकाएं जस्टिस एम. धंदपानी और जस्टिस एम. जोतिरमन की दशहरा वेकेशन बेंच में लिस्ट की गईं थीं। अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी। मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस एन सेंथिल वी कुमार ने टीवीके नमक्कल जिला सचिव एन सतीश कुमार की अग्रिम जमानत की मांग वाली याचिका भी खारिज कर दी।

इंडिगो चीन के लिए 26 से फिर शुरु करेगा विमान सेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर लाइंस की दिग्गज कंपनी इंडिगो एक बार फिर चीन के लिए अपनी विमान सेवा शुरु करने जा रही है। 26 अक्टूबर से यह सेवा कोलकाता से ग्वांगझोउ के बीच डेली नॉन-स्टॉप फ्लाइट्स शुरू होगी। बता दें कि केंद्र सरकार ने गुरुवार को भारत और चीन के बीच विमान सेवा शुरु करने का ऐलान किया है। रेगुलेटरी मंजूरी मिलने पर दिल्ली से ग्वांगझोउ के बीच भी डायरेक्ट फ्लाइट्स जल्द शुरू की जाएंगी। इन सर्विसेज के लिए इंडिगो अपने एयरबस ए320नेओ विमान का इस्तेमाल करेगी। कंपनी के इस फैसले के साथ 5 साल से भी ज्यादा समय के बाद दोनों देशों के बीच डायरेक्ट हवाई कनेक्टिविटी की वापसी हो रही है। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा, हम भारत और चीन के बीच दैनिक, नॉन-स्टॉप फ्लाइट्स की बहाली की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं। हमें गर्व है कि हम दो शहरों से चीन के लिए डायरेक्ट फ्लाइट्स शुरू करने वाली पहली एयरलाइन में शामिल हैं। यह कदम लोगों, व्यापार और विचारों के सहज आदान-प्रदान के साथ-साथ दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को भी सुदृढ़ करेगा। भविष्य में हम चीन के अन्य शहरों के लिए भी डायरेक्ट फ्लाइट्स शुरू करने पर विचार करेंगे।

कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी

जम्मू (एजेंसी)। कश्मीर में शुक्रवार को सीजन की पहली बर्फबारी हुई। गुलमर्ग, सोनमर्ग और गुरेज में पहाड़ों की चोटियां सफेद हो गई हैं। एक तरफ ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई, तो श्रीनगर सहित अन्य मैदानी इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने गुरुवार को कहा था कि जम्मू-कश्मीर में 5-7 अक्टूबर तक भारी बारिश और बर्फबारी का अनुमान है। हालांकि, इससे पहले ही बर्फबारी और बारिश हो गई। इससे पर्यटकों में उत्साह देखा गया। स्थानीय लोगों के बीच त्योहार जैसा माहौल हो गया है।

दो पोतों की 40 साल की दादी बहुओं के जेवर लेकर प्रेमी संग हुई फरार

झांसी (एजेंसी)। ये बेहद अजीब कहानी यूपी के झांसी जिले से सामने आई है। यहां मऊरानीपुर इलाके में 40 साल की महिला अचानक प्रेमी संग फरार हुई। यह महिला खुद दो बेटों की मां और दो छोटे-छोटे पोतों की दादी है। परिजनों का आरोप है कि जाते-जाते वह घर से बहुओं के जेवर और नकदी भी साथ ले गई। इस घटनाक्रम से पूरा परिवार टूट गया है। महिला का पति कामता प्रसाद ग्राम स्यावरी में रहता है। कामता ने कहा कि करीब ढाई साल पहले वह अपनी पत्नी को लेकर भिंड-मुरैना इलाके के ईंट-भट्ठों पर मजदूरी करने गया था। वहीं पत्नी की मुलाकात राठ तहसील के बिहुनी गांव निवासी अमर सिंह प्रजापति से हुई। पहले मुलाकातें सामान्य रहीं, लेकिन धीरे-धीरे दोनों की नजदीकियां बढ़ती चली गईं और यह रिश्ता अवैध संबंध में बदल गया। फरियादी पति कामता का कहना है कि उसने कई बार पत्नी के मोबाइल पर अमर का नंबर देखा। घर की बहुओं को भी पत्नी के व्यवहार पर शक होने लगा। बावजूद इसके वह चोरी-छिपे प्रेमी से मिलती रही।

सीजेआई की माताश्री नहीं आईं आरएसएस के झांसे में, वे आंबेडकरवादी: राउत

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर नागपुर में संघ का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। समारोह में सीजेआई की मां कमलताई के शामिल नहीं होने को लेकर अब सियासत शुरु हो गई है। अब शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) ने संघ का न्योता अस्वीकार करने को लेकर सीजेआई की मां की तारीफ की है। साथ ही भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ से तुलना भी कर डाली। गवई परिवार ने पहले कहा था कि न्योता स्वीकार कर लिया गया है।

राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि कमलताई गवई आंबेडकरवादी हैं और वह संघ के झांसे में नहीं आईं। उन्होंने कहा, संघ के झांसे में नहीं फंसने के लिए मैं कमलताई गवई और उनके परिवार को शुभकामनाएं देता हूं।

उन्होंने पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ की तरह व्यवहार नहीं किया। खास बात है कि राउत ने पूर्व सीजेआई के घर पर गणेश पूजा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने पर सवाल उठाए थे। इस दौरान उन्होंने संघ की भी जमकर आलोचना की। राउत ने कहा, संघ के सांस्कृतिक संगठन है। उनके हिन्दुत्व विचार हैं। हमें इस बात में कोई संदेह नहीं है। एक समय में हमें उनसे हमदर्दी थी। जब भी देश में परेशानी होती है, तो वो शासकों के खिलाफ खड़े नहीं होते। आज डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर और महात्मा गांधी के नाम संघ से जोड़ने की कोशिश की जा रही है, लेकिन गांधी या डॉक्टर आंबेडकर ने कभी संघ का साथ नहीं दिया। उन्होंने कहा, आज देश की ताकत आरएसएस के हाथों में है। उन्होंने प्रधानमंत्री और कुछ राज्यपाल नियुक्त किए हैं। ऐसे में उनके आंदोलन में सत्ता की चमक है। आरएसएस की शताब्दी वर्ष समारोह में पोस्टल स्टाम्प और सिक्की जारी किया गया, लेकिन स्वतंत्रता संग्राम संघर्ष में आरएसएस का योगदान क्या है। उन्हें एक बार बताना चाहिए।

कांग्रेस की पांच गारंटी योजनाओं के कारण कर्नाटक की वित्तीय स्थिति खराब

पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा ने लगाए सरकार पर आरोप, पीएम से मिलकर करेंगे मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा ने शुक्रवार को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार की ओर से लागू की जा रही पांच गारंटी योजनाओं के कारण राज्य की वित्तीय स्थिति खराब हो गई है। उन्होंने दावा किया कि कलबुर्गी समेत उत्तरी कर्नाटक के 6 जिलों में गंभीर बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए भी धन नहीं है।

जेडीएस प्रमुख ने कहा कि वह एक सप्ताह के अंदर कलबुर्गी और आसपास के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे और जमीनी जायजा भी लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह बाढ़ प्रभावित लोगों की खातिर मुआवजे की मांग करने के लिए पीएम मोदी से मिलेंगे। देवेगौड़ा ने कहा कि पीएम मोदी के साथ मेरे रिश्ते नहीं बदलेंगे। उनके बारे में कभी बुरा नहीं कहा। देवेगौड़ा ने कहा कि गारंटी योजनाओं के कारण राज्य की वित्तीय स्थिति बिगड़ गई है। यह मैं नहीं, बल्कि कांग्रेस विधायक ही कह रहे हैं। उन्होंने बताया कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों में भ्रम की स्थिति है। वे कहते हैं कि इतनी गंभीर बाढ़ से निपटने के लिए भी धन नहीं है। पांच गारंटी योजनाओं में गृह ज्योति के तहत हर घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है। गृह लक्ष्मी योजना के तहत परिवार की महिला मुखिया को 2,000 रुपए दिए जाते हैं। अन्न भाग्य योजना में बीपीएल परिवार के हरेक सदस्य को 10 किलो चावल दिया जाता है। युवा निधि योजना के जरिए बेरोजगार स्नातकों को 3,000 रुपए और डिप्लोमा धारकों को 1,500 रुपए दो साल तक मिलेंगे। शक्ति योजना के जरिए महिलाओं के लिए सरकारी गैर-लक्जरी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी गई हैं।

दूसरी ओर कांग्रेस ने एक अध्ययन का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि कर्नाटक में 'पांच गारंटी' लागू किए जाने से प्रभावशाली बदलाव आए हैं। स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पिछले दो सालों में कर्नाटक सरकार की ओर से लागू की गई 5 गारंटी प्रभावशाली और सार्थक बदलाव लाई हैं। चार प्रतिष्ठित शोध और शैक्षणिक संस्थानों के सम्मिलित स्वतंत्र अध्ययन से तैयार नई रिपोर्ट ने इन गारंटियों के नतीजों का मूल्यांकन किया है। शक्ति योजना के तहत 19 फीसदी महिला लाभार्थियों ने बताया कि बसों से मिली गतिशीलता की वजह से उन्हें रोज़गार या बेहतर नौकरी मिली।

वहीं गृह लक्ष्मी योजना के तहत 94 फीसदी महिलाओं ने इस राशि का एक हिस्सा आहार और पोषण को बेहतर बनाने में खर्च किया। 90 फीसदी ने स्वास्थ्य सेवाओं पर उपयोग किया। करीब 50 फीसदी ने अपने बच्चों की शिक्षा पर खर्च किया।

लखनऊ में कांग्रेस दफ्तर के बाहर लगा पोस्टर..... भगवान राम की भूमिका में राहुल गांधी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ सहित पूरे देश में विजयदशमी का त्यौहार धूमधाम से ~ मनाया गया है। इस मौके रावण दहन भी हुआ है। रावण दहन को लेकर आम लोगों में बहुत क्रेज देखने को मिला। वहीं ऐशबाग रामलीला मैदान से लेकर तमाम जगहों पर रावण दहन किया गया है। वहीं इस मौके पर जगह-जगह पर विजयदशमी से जुड़े कई पोस्टर लगाए गए हैं। इस बीच लखनऊ स्थित कांग्रेस दफ्तर में एक अनोखा पोस्टर लगा है, जो देखते ही देखते चर्चाओं में आ गया है। 10 सिर वाले रावण पर भगवान राम रूपी राहुल गांधी तीर चलाते दिख रहे हैं। दरअसल पोस्टर लखनऊ के मॉल एवेन्यू स्थित कांग्रेस दफ्तर के बाहर लगा है। इस पोस्टर को कांग्रेस की छात्र विंग एनएसयूआई के नेता आर्यन मिश्रा ने लगवाया है। पोस्टर में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को भगवान राम की भूमिका में दिखाया गया है। जबकि यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को लक्ष्मण के रूप में है। पोस्टर में देखा जा सकता है कि भगवान राम की भूमिका में दिख रहे राहुल गांधी रावण पर तीर चलाते हुए नजर आ रहे हैं।

विदेश जाकर भारत को बदनाम करने की अपनी हरकतों से बाज आएं राहुल गांधी : शाहनवाज हुसैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता शाहनवाज हुसैन ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को नसीहत देकर कहा कि वे विदेश जाकर भारत को बदनाम करने की अपनी हरकतों से बाज आएं। बीजेपी नेता हुसैन ने राहुल गांधी के विदेश में दिए गए भाषण पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, राहुल गांधी बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं। मैं उन्हें सावधान करना चाहता हूं। विपक्ष के नेता और संवैधानिक पद पर होने के नाते उन्हें देश का नाम रोशन करना चाहिए, न कि विदेश में देश की छवि खराब करना। बीजेपी नेता हुसैन ने कहा, राहुल गांधी भारत के लोकतंत्र को खतरे में बताते हैं, जबकि भारत का लोकतंत्र कभी खतरे में नहीं रहा। यह केवल तब खतरे में आया था, जब कांग्रेस ने इंदिरा गांधी के शासनकाल में आपातकाल लगाया था। आज लोकतंत्र मजबूत है और चुनी हुई सरकार सबका साथ, सबका विकास के रास्ते पर देश को आगे लेकर जा रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अपनी हरकतों से बाज आना चाहिए और विदेश में देश को बदनाम करने से बचना चाहिए।

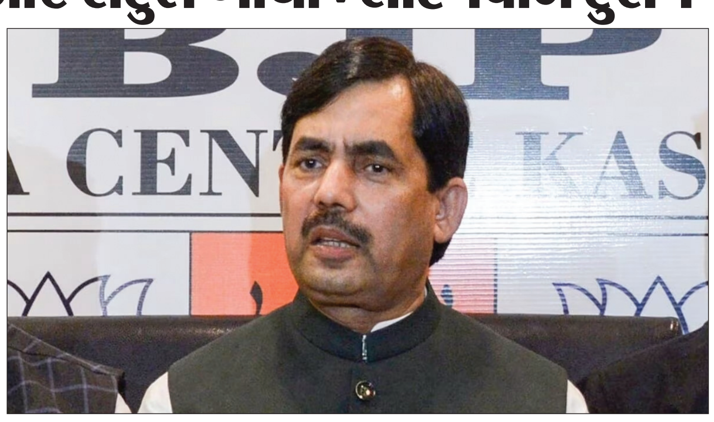

वहीं शिवसेना यूबीटी नेता उद्धव ठाकरे के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया देकर हुसैन ने कहा कि ठाकरे अपनी राजनीतिक हताशा के चलते बेतुके बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे बहुत परेशान हैं। उनके पास कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं बचा है, और वे महाराष्ट्र की राजनीति में हाशिए पर आ चुके हैं। इसलिए वे क्रिकेट का बहाना बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साध रहे हैं। वे कांग्रेस के इशारे पर हिंदुत्व की नई परिभाषा गढ़ रहे हैं। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बयान, जिसमें उन्होंने कहा कि वे बिहार से अंधकार मिटाएंगे और एनडीए को बाहर करने के बयान, हुसैन ने तंज कसा। उन्होंने कहा, तेजस्वी भी राहुल गांधी की तरह कुछ भी बोल रहे हैं। बिहार में अंधकार मिट चुका है। बिजली 125 यूनिट मुफ्त दी जा रही है। महागठबंधन की महा हार होने वाली है। तेजस्वी की विपक्ष की सीट भी खतरे में है। अब वे चुनाव नजदीक आने पर गांवों का दौरा कर रहे हैं, लेकिन उनके पोस्ट और बयानबाजी से साफ है कि इस बार बिहार में राजद का पूरी तरह सफाया हो जाएगा।

स्टालिन ने रामनाथपुरम जिले में 738 करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं का शुभारंभ किया

रामनाथपुरम (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने रामनाथपुरम जिले में बीते साढ़े चार वर्षों में हुए विकास कार्यों की समीक्षा कर 738 करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि जिले में 3,250 करोड़ रुपए की लागत वाली 46,270 परियोजनाएं वर्तमान में चल रही हैं। द्रमुक सरकार जिले के लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और कई लाभकारी योजनाएं लागू की गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि रामनाथपुरम में 2.36 लाख महिलाओं को महिला अधिकार भत्ता, 8 लाख से अधिक किसानों को सहायता, 83,483 बच्चों को रोजाना पौष्टिक नाश्ता, 1.85 लाख मछुआरों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ, 55,000 छात्रों को नान मुथलवन योजना के तहत प्रशिक्षण, 24,722 मुफ्त आवास पट्टे, 6,000 लोगों के लिए कलाई उदयार योजना के तहत घर और 78,000 आदि द्रविड़ समुदाय के लोगों को सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ मिला है।

शुक्रवार को रामनाथपुरम रेलवे स्टेशन, थंगाचिमदम सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन और परमकुडी में सामाजिक न्याय छात्रावास का उद्घाटन किया गया। स्टालिन ने कहा, मैं जितना भी कहूं, नई घोषणाओं के बिना रुक नहीं सकता। मंत्रियों और विधायकों के सुझावों पर मैं रामनाथपुरम के लिए 9 नए विकास कार्यों की घोषणा कर रहा हूं। मुख्यमंत्री के मुताबिक रामनाथपुरम नगरपालिका में राष्ट्रीय राजमार्ग को 30 करोड़ की लागत से 4-लेन से 6-लेन बनाना, 18 करोड़ रुपए से तिरुवदनई के प्रमुख तालाबों का सुधार, कीलाकराई के 6 तालाबों का 4.65 करोड़ रुपए से नवीनीकरण, परमकुडी नगरपालिका के लिए 4.50 करोड़ रुपए से नया कार्यालय भवन, रामनाथपुरम के पुराने बस स्टैंड को आधुनिक व्यावसायिक परिसर में बदलना, रामनाथपुरम राजकीय महिला महाविद्यालय में 10 करोड़ रुपए में सुविधाओं का विस्तार, कीलाकराई में 3 करोड़ रुपए में नया नगरपालिका कार्यालय और 1.5 करोड़ रुपए में आधुनिक मछली बाजार और कामुथी में किसानों के लिए 100 मीट्रिक टन क्षमता वाला 10 करोड़ रुपये का भंडारण गोदाम शामिल है।

ओवैसी भड़के बोले- आई लव मोदी कह सकते हैं, तो आई लव मोहम्मद क्यों नहीं कह सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीति करने वालों के लिए कोई कारण नहीं होता। कभी भी किसी भी बहाने सियासत हो सकती है। आई लव मोहम्मद को लेकर भी कुछ इसी तरह की राजनीति हो रही है। अब एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने ये मुद्दा फिर उठा दिया है। उन्होंने कहा है कि इस देश में आई लव मोदी कह सकते हैं तो फिर आई लव मोहम्मद क्यों नहीं कह सकते हैं?

उन्होंने कहा कि मोहम्मद के अलावा कोई और मोहम्मद नाम का नहीं था। अगर आप उनके पोस्टर लगाते हैं तो आपको उनका सम्मान करना होगा। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि वे इतने सारे कानून क्यों बना रहे हैं और यह सब क्या हो रहा है? असम में 3000 मुसलमानों को बेघर कर दिया गया, यह दावा करते हुए कि निर्माण सरकारी जमीन पर था। उन्होंने कहा, संभल मस्जिद को लेकर केस चल रहा है। हमारी मस्जिदें छीनी जा रही हैं। इस देश में कोई आई लव मोदी तो कह सकता है लेकिन आई लव मोहम्मद नहीं कह सकता।

ओवैसी ने कहा- आप इस देश को कहां ले जा रहे हैं? अगर कोई कहता है आई लव मोदी तो मीडिया भी खुश हो जाता है। अगर कोई कहता है आई लव मोहम्मद तो उसका विरोध होने लगता है। उन्होंने कहा कि अगर मैं मुसलमान हूं तो यह मोहम्मद की वजह से है। इसके ऊपर और उससे परे कुछ नहीं है, उन 17 करोड़ भारतीयों के लिए जिन्होंने देश की आजादी में हिस्सा लिया। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, हम हिंसा की निंदा करते हैं। कुछ वीडियो में पुलिस लाठीचार्ज करते दिख रही है और दुकानदार उन पर फूल बरसा रहे हैं। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि पुलिस केवल सत्ता में बैठे लोगों के प्रति जवाबदेह है और किसी के प्रति नहीं। वे कल आपको मारेंगे जब सत्ता बदल जाएगी।

ओवैसी ने कहा, हमें स्थिति से परेशान नहीं होना चाहिए। हमें धैर्य के साथ इसका सामना करना होगा। हमें कानून के दायरे में रहकर सब कुछ करना चाहिए। कानून को अपने हाथ में न लें। जब आप कानून के दायरे में काम करेंगे तो आपको एहसास होगा कि कानून सिर्फ एक मकड़ी का जाला है और कुछ नहीं। एआईएमआईएम प्रमुख चीफ ने दावा किया कि उनकी जानकारी के अनुसार आरएसएस के गठन के बाद इसके किसी भी सदस्य ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अपने प्राणों की आहुति नहीं दी और न ही जेल गया। ओवैसी की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका की सराहना करने के बाद आई है। ओवैसी ने आरएसएस के संस्थापक केबी हेडगेवार की जीवनी का हवाला देते हुए दावा किया कि हेडगेवार ने 1930 में दांडी मार्च में हिस्सा लिया था और जेल भी गए थे, ताकि स्वतंत्रता सेनानियों को बाद में संघ में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित कर सकें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डेल्टा एयरलाइन के विमान आपस में टकराए, एक का पंख तो दूसरे की नोज टूटी

-यात्रियों में मचा हड़कंप, सोशल मीडिया पर हादसे की तस्वीरें वायरल

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में बुधवार रात ला गार्डिया एयरपोर्ट पर डेल्टा एयरलाइंस की दो फ्लाइट्स आपस में टकरा गईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक डेल्टा रीजनल जेट गेट की ओर बढ़ रहा था, जबकि उसी समय दूसरी डेल्टा फ्लाइट लैंडिंग के बाद गेट की तरफ आ रही थी। इसी दौरान दोनों के रास्ते टकरा गए और अचानक रीजनल जेट का पंख दूसरी फ्लाइट की नोज से जा टकराया। टक्कर से रीजनल जेट का पंख टूटकर गिर गया। एटीसी के ऑडियो के हवाले से कहा गया है कि पायलट्स ने स्थिति को तुरंत रिपोर्ट किया, लेकिन तब तक हादसा हो चुका था। इस टक्कर के बाद यात्रियों में दहशत फैल गई। यात्रियों को अचानक जोर का झटका लगा और लोग डर के मारे उठ खड़े हो गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि बड़ा नुकसान नहीं हुआ। एक यात्री के घायल होने की खबर है। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें वायरल हो रहा है। फोटो में साफ दिख रहा है कि एक विमान का पूरा पंख गायब है, जबकि दूसरी फ्लाइट का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिस विमान ने टक्कर मारी है उस पर नंबर 15480 साफ नजर आ रहा है। तस्वीरों में यात्री विमान से बाहर निकलते और रनवे पर खड़े दिख दहे हैं। वहीं, क्रू मेंबर्स और सुरक्षा अधिकारी हालात को काबू में करने की कोशिश कर हैं। हालांकि, अब तक ला गार्डिया एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

जापान में बन सकती हैं पहली महिला पीएम

-साने ताकेइची पांच उम्मीदवारों में सबसे मजबूत

टोक्यो (एजेंसी)। जापान में पीएम शिगेरू इशिबा ने 7 सितंबर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अब उनकी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी पार्टी में 4 अक्टूबर को पार्टी अध्यक्ष पद के लिए चुनाव है। जापान में बहुमत वाली पार्टी का अध्यक्ष ही पीएम बनता है। ऐसे में यह चुनाव जो भी जीतेगा उसे संसद में वोटिंग के बाद पीएम बनाया जाएगा। पार्टी अध्यक्ष पद बनने की रेस में पांच उम्मीदवार हैं। लेकिन मुकाबला दो उम्मीदवारों के बीच ही है। एक सर्वे के मुताबिक, पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची 34.4 प्रतिशत वोट के साथ सबसे आगे हैं। दूसरे नंबर पर कृषि मंत्री शिंजिरो कोइजुमी हैं, जिन्हें 29.3 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला है। अगर ताकाइची यह चुनाव जीतती हैं तो वह जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनेंगी। वहीं, कोइजुमी चुनाव जीतते हैं तो वे देश के सबसे युवा (45 साल) पीएम बनेंगे।

इस्लामाबाद प्रेस क्लब में प्रदर्शन कर रहे पत्रकारों पर पुलिस ने किया हमला

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में अत्याचारों और इंटरनेट ब्लैकआउट के खिलाफ इस्लामाबाद प्रेस क्लब में प्रदर्शन कर रहे पत्रकारों और लोगों पर पुलिस के अचानक हमले के बारे में है। पुलिस प्रदर्शन खत्म कराने पहुंची, झड़प शुरू हुई। कुछ प्रदर्शनकारी भागकर प्रेस क्लब में घुस गए, जिनका पीछा करते हुए पुलिस क्लब के अंदर चली गई और लाठीचार्ज किया। पत्रकारों ने जब मोबाइल और कैमरे से घटना को रिकॉर्ड करने की कोशिश की, तब पुलिस के द्वारा उन्हें भी पीटा गया। प्रेस क्लब के कम से कम दो फोटोग्राफर और तीन कर्मचारी घायल हुए। कई पत्रकारों के कैमरे और मोबाइल तोड़ दिए गए। पुलिस ने कहा कि उन्होंने पत्रकारों को गलती से निशाना बनाया। घटना पर पूरे पाकिस्तान में नाराजगी जाहिर की गई और वरिष्ठ पत्रकारों ने पुलिस की कार्रवाई को प्रेस की स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताया। वहीं पाकिस्तान सरकार में गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने घटना की जांच के आदेश देकर कहा कि पत्रकारों पर हिंसा बर्दाश्त नहीं होगी और दोषी पुलिसकर्मियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। गृह राज्य मंत्री तलाल चौधरी प्रेस क्लब पहुंचे और पत्रकारों से माफी मांगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार जांच कराएगी और जिम्मेदारों को सजा मिलेगी। उन्होंने बोलने की आजादी के समर्थन की बात भी कही। यह घटना पाकिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता और पुलिस के बल प्रयोग को लेकर सवाल खड़े करती है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने गांधी के संदेशों में शक्ति और प्रेरणा तलाशने का आह्वान किया

न्यूयार्क (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने महात्मा गांधी के संदेशों में शक्ति और प्रेरणा तलाशने का आह्वान किया है ताकि एक न्यायपूर्ण, टिकाऊ और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण किया जा सके। उन्होंने 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के मौके पर कहा कि गांधीजी समझते थे कि अहिंसा कमजोरों का नहीं, बल्कि साहसी लोगों की ताकत है। यह शक्ति बिना घृणा के अन्याय का विरोध करने, क्रूरता के बिना उत्पीड़न का सामना करने, और सम्मान के माध्यम से शांति स्थापित करने की है। गुटेरेस ने मौजूदा खतरनाक और विभाजित समय पर चिंता व्यक्त की, जहां हिंसा संवाद का स्थान ले रही है और शांति की नींव दबाव में है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी गांधी के नेतृत्व का अनुसरण करें ताकि दुखों को समाप्त किया जा सके, कूटनीति को आगे बढ़ाया जा सके, विभाजनों को दूर किया जा सके और सभी के लिए एक न्यायपूर्ण, स्थायी और शांतिपूर्ण दुनिया बनाई जा सके।

पीएम मोदी ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगे जिससे भारत अपमानित हो: पुतिन

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसा कोई काम नहीं करते हैं जिससे भारत की जनता अपमानित महसूस करे। वे अपने देश साख बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। सोची में आयोजित वल्दाई डिस्कशन क्लब में अपने संबोधन के दौरान पुतिन ने पश्चिमी देशों के नेताओं पर युद्ध का डर फैलाने और अपनी घरेलू समस्याओं से ध्यान हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि रूस-यूक्रेन युद्ध में नाटो देश पहले से ही सीधे तौर पर शामिल हैं और रूसी सेना रणनीतिक पहल बनाए रखते हुए आत्मविश्वास से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यूरोप के शासक अपने घरेलू मुद्दों को नजरअंदाज कर जनता में दहशत पैदा कर रहे हैं।

पुतिन ने अमेरिका द्वारा भारत को रूसी ऊर्जा आपूर्ति छोड़ने की सलाह पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, अगर भारत हमारी ऊर्जा आपूर्ति से इनकार करता है, तो उसे नुकसान होगा। भारतीय जनता अपने नेतृत्व के फैसलों पर नजर रखेगी और किसी के सामने अपमान नहीं सहेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि वह कभी भी अपमानजनक कदम नहीं उठाएंगे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा, रूस भारत और चीन जैसे देशों का आभारी है जिन्होंने ब्रिक्स की स्थापना की। ये ऐसे देश हैं जो किसी का पक्ष लेने से इनकार करते हैं और वास्तव में एक न्यायपूर्ण विश्व बनाने की आकांक्षा रखते हैं। पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष में मध्यस्थता के लिए ब्रिक्स देशों, बेलारूस, उत्तर कोरिया और यूएई जैसे देशों के प्रयासों की सराहना की। हालांकि, उन्होंने यूरोप के कुछ देशों पर संघर्ष को बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि रूसी सेना लगभग पूरे संपर्क रेखा पर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है।

अमेरिका के साथ संबंधों को लेकर रुसी राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक मुद्दों पर हमारे विचार टकराते हैं, जो कि इतने बड़े देशों के लिए स्वाभाविक है। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि इन मतभेदों को शांतिपूर्ण तरीके से कैसे सुलझाया जाए। उन्होंने वर्तमान अमेरिकी प्रशासन की सीधी और बिना पाखंड वाली नीति की तारीफ की, लेकिन जोर देकर कहा कि रूस भी अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर काम करेगा। उन्होंने अमेरिका के साथ पूर्ण संबंध बहाल करने की इच्छा भी जताई।पुतिन ने यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें देने की संभावना पर चेतावनी दी और कहा कि यह अमेरिकी सैन्य कर्मियों के बिना संभव नहीं है। उन्होंने इसे रूस और अमेरिका के बीच संबंधों में गुणात्मक रूप से नई और खतरनाक वृद्धि करार दिया।

कागजी शेर ही है तो नाटो से लड़ रहे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस को पेपर टाइगर यानी कागजी शेर कहने पर पुतिन ने तंज कसते हुए कहा, अगर हम एक कागजी शेर होते हुए भी नाटो के खिलाफ लड़ रहे हैं, आगे बढ़ रहे हैं और आत्मविश्वास से भरे हैं, तो नाटो क्या है? उन्होंने रूस की वित्तीय प्रणाली को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया, विशेष रूप से मुद्रास्फीति को कम करने और आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए। पुतिन ने यूरोप के नेताओं पर युद्ध की आशंका को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, वे या तो अविश्वसनीय रूप से अक्षम हैं या फिर बेईमान। उन्होंने यूरोप की बढ़ती सैन्यीकरण पर चिंता जताई और चेतावनी दी कि रूस इसका जवाब देने के लिए तैयार है। नाटो के साथ टकराव को लेकर पुतिन ने दावा किया कि सभी नाटो देश हमारे खिलाफ लड़ रहे हैं और अब इसे छिपा भी नहीं रहे। उन्होंने कहा कि यूरोप में एक केंद्र बनाया गया है जो यूक्रेनी सेना को खुफिया जानकारी, हथियार और प्रशिक्षण प्रदान करता है।

पेशावर में धमाका- 9 की मौत, मरने वालों में अधिकांश अधिकारी शामिल

इस्लामाबाद। पुलिस और अधिकारियों को टारगेट करते हुए पेशावर में हुए आतंकी हमले में कम से कम 9 लोगों की जान चली गई। इसमें अधिकांश कानून प्रर्वतन अधिकारी शामिल हैं। ये धमाका उस वक्त हुआ जब सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर सड़क पर एक उपकरण लगाया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मसूद बंगश ने बताया कि कानून प्रवर्तन अधिकारी घटनास्थल की जांच में लगे हुए हैं और साक्ष्य इकट्ठे किए जा रहे हैं। यह पाकिस्तान में हाल ही में हुआ अकेला धमाका नहीं है। पुलिस अधिकारी मियां सईद ने बताया कि यह विस्फोट विशेष रूप से पुलिस और सुरक्षाबलों के अधिकारियों को निशाना बनाने के लिए कैपिटल सिटी में किया गया था। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जिस विस्फोटक उपकरण का उपयोग किया गया था वह पुलिस वैन के रास्ते में लगाया गया था। उन्होंने कहा कि घायल हुए अधिकारियों की हालत गंभीर बनी हुई है। बम विस्फोट के बाद तुरंत बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर तैनात किया गया और पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। इससे पहले 30 सितंबर को बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में फंटियर कॉर्प्स हेडक्वार्टर के पास की एक सड़क पर भी शक्तिशाली विस्फोट हुआ था। उस हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हुई थी और 32 लोग घायल हो गए थे। बलूचिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री बख्त मुहम्मद काकर ने भी क्वेटा में हुए धमाकों में मृतकों की संख्या की पुष्टि की थी और बताया था कि सभी घायलों को नजदीकी सिविल अस्पताल ले जाया गया था। पाकिस्तान में सुरक्षा बलों को लगातार निशाना बनाने वाली ये घटनाएँ गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं।

दुनिया के पहले सबसे अमीर बने एलन मस्क, संपत्ति 500 अरब डॉलर तक पहुंची

वॉशिंगटन (एजेंसी)। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क 500 अरब डॉलर की नेट वर्थ का आंकड़ा छूने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बन गए हैं। उनकी संपत्ति में बढ़त की वजह टेस्ला और स्वामित्व वाली अन्य कंपनियों के वैल्यूएशन में इजाफा होना है। मस्क की संपत्ति सीधे तौर पर टेस्ला के शेयर से जुड़ी हुई है। 15 सितंबर तक कंपनी में उनकी हिस्सेदारी करीब 12.4 प्रतिशत थी। टेस्ला के शेयरों में 2025 में अब तक 14 प्रतिशत से अधिक चढ़ चुके हैं। आखिरी कारोबारी सत्र में भी मस्क के नेतृत्व वाली इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी के शेयर में 3.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ, जिससे उनकी संपत्ति 8 अरब डॉलर से अधिक बढ़ी।

फोर्ब्स की बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक, मस्क की संपत्ति बुधवार को शाम 4¬15 पर (अमेरिकी समय के अनुसार) 500.1 अरब डॉलर थी। हालांकि, शेयरों की कीमत में उतार-चढ़ाव के चलते फिलहाल उनकी संपत्ति 499.1 अरब डॉलर हो गई है। फोर्ब्स की बिलेनियर इंडेक्स में मस्क के बाद लैरी एलिसन का नाम आता है और उनकी संपत्ति करीब 350 अरब डॉलर डॉलर है, जो कि मस्क से करीब 150 अरब डॉलर कम है।

टेस्ला के शेयर में तेजी की वजह, व्हाइट हाउस के कार्यों में समय बिताने के बाद मस्क की ओर से कंपनी पर फिर से फोकस करना है। बीते महीने टेस्ला बोर्ड के अध्यक्ष रोबिन डेनहोम ने कहा था कि व्हाइट हाउस को महीनों देने के बाद मस्क फिर से टेस्ला को पूरा समय दे रहे हैं। इसके कुछ समय बाद मस्क ने टेस्ला के एक अरब डॉलर के शेयर खरीदने का ऐलान किया था, जिससे निवेशकों का विश्वास फिर से कंपनी पर और बढ़ा। मस्क के एआई स्टार्टअप एक्सएआई और अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने इस साल अपने मूल्यांकन में बढ़ोतरी देखी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जुलाई तक एक्सएआई का मूल्यांकन 75 अरब डॉलर था। वहीं, स्पेस एक्स की वैल्यूएशन करीब 400 अरब डॉलर पहुंच गई है।

जर्मनी में मंडराने लगे करीब डेढ दर्जन ड्रोन, दहशत के चलते एयरपोर्ट किया बदं, 3 हजार यात्री फंसे

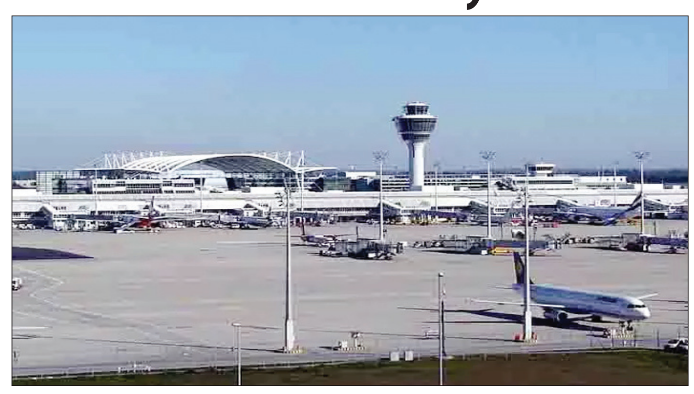

बर्लिन (एजेंसी)। जर्मनी का दूसरा सबसे बड़ा म्यूनिख एयरपोर्ट अचानक बंद कर दिया गया और वहां से उड़ने वाले विमानों का रास्ता बदल दिया गया है। इसकी वजह ये है कि जर्मनी में अचानक करीब 17 ड्रोन उड़ते दिखाई दिए जिसके बाद दहशत फैल गई और ऐतिहात के तौर पर तत्काल प्रभाव से उपरोक्त कदम उठाए गए। एयरपोर्ट प्रशासन के मुताबिक, इस घटना में 17 फ्लाइट्स रद्द हो गईं और करीब 3,000 यात्री फंस गए।सिर्फ इतना ही नहीं, 15 फ्लाइट्स को स्टटगार्ट, नूर्नबर्ग, फ्रैंकफर्ट और पड़ोसी ऑस्ट्रिया के विएना एयरपोर्ट पर डायवर्ट करना पड़ा। यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल रहा लेकिन एयरपोर्ट अधिकारियों ने कहा कि हालात काबू में हैं और सुबह 5 बजे से संचालन फिर से शुरू कर दिया जाएगा।

म्यूनिख एयरपोर्ट, जो जर्मन एयरलाइन लुफ्थांसा का हब है, ने इस साल के पहले छह महीनों में करीब 2 करोड़ यात्रियों को संभाला है। इतनी बड़ी संख्या में यात्रियों के बीच अचानक ड्रोन अलर्ट से न केवल एयरपोर्ट बल्कि पूरी एयरलाइंस व्यवस्था प्रभावित हुई। एक यात्री ने एयरपोर्ट हेल्पलाइन पर बताया- कुछ फ्लाइट्स उड़ान भरने का इंतजार कर रही हैं, कुछ रद्द हो गई हैं। हालांकि स्थिति नियंत्रण में है। म्यूनिख सिर्फ एक उदाहरण है। पिछले हफ्ते ही डेनमार्क में कई एयरपोर्ट्स पर ड्रोन दिखे थे, जिससे दसियों हजार यात्री प्रभावित हुए। इसके बाद डेनमार्क ने सभी नागरिक ड्रोन उड़ानों पर रोक लगा दी। बता दें कि यह घटना ऐसे समय हुई है जब हाल के दिनों में यूरोप के कई नाटो देशों में ड्रोन देखे जाने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पिछले हफ्ते ही डेनमार्क और पोलैंड के हवाई क्षेत्र में अज्ञात ड्रोन देखे गए थे, जिससे हवाई यातायात घंटों बाधित रहा।

ड्रोन घटनाओं को लेकर यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में हुई। यहां सुरक्षा एजेंसियों ने साफ कहा कि ये घटनाएं रूस की चुनौती का हिस्सा हो सकती हैं। हालांकि डेनमार्क ने सीधा आरोप नहीं लगाया, लेकिन प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन ने इशारों में रूस की ओर उंगली उठाई। उन्होंने कहा- 'यूरोप को अब अपनी सुरक्षा खुद मजबूत करनी होगी। हमें न सिर्फ ड्रोन बनाने की क्षमता बढ़ानी है, बल्कि एंटी-ड्रोन सिस्टम भी तैयार करने होंगे।यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 'ड्रोन वॉल' बनाने का विचार पेश किया है। इसका मतलब है कि यूरोप की पूर्वी सीमाओं पर एक ऐसा सुरक्षा जाल तैयार किया जाए जिसमें सेंसर, रडार और हथियार तैनात हों, ताकि किसी भी संदिग्ध ड्रोन को तुरंत पहचानकर गिराया जा सके।

बजट कटौती के खिलाफ फ्रांस में ट्रेड यूनियनों की हड़ताल, हजारों लोग सड़कों पर उतरे

पेरिस। अगले साल के बजट में भारी कटौती की योजनाओं के खिलाफ ट्रेड यूनियनों की हड़ताल में गुरुवार को 85 हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए। उन्होंने मार्च निकाला। इसमें शिक्षक और स्वास्थ्य कर्मचारी समेत अन्य लोग भी शामिल हुए। इसके कारण एफिल टावर बंद करना पड़ा। ये राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और पीएम सेबेस्टियन लेकोर्नू पर दबाव बनाए हुए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रेड यूनियन नेता सार्वजनिक सेवाओं पर ज्यादा खर्च, सेवानिवृत्ति की आयु में वृद्धि को वापस लेने और अमीरों पर ज्यादा कर लगाने की मांग कर रहे हैं। इनमें फ्रांस के सबसे बड़े संघ, सीएफडीटी और कट्टरपंथी सीजीटी के नेता शामिल हैं। सीजीटी की महासचिव सोफी बिनेट ने बताया कि पिछले बजट प्रस्ताव में श्रमिकों से संबंधित सभी कटौती को हमेशा के लिए खत्म करना होगा। बजट में कटौती के चलते घटा था पद पिछले पीएम फ्रांस्वा बायरू को 44 अरब यूरो के बजट में कटौती की योजना के चलते संसद ने पद से हटा दिया था। हालांकि, गुरुवार को सड़कों पर उतरने वाले लोगों की संख्या पिछले दिनों हुए प्रदर्शनों की तुलना में कम थी। लड़ाई जारी रखनी होगी नैनटेस में विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए डोमिनिक मेनियर ने कहा कि हमें लड़ाई जारी रखनी होगी, भले ही हममें से ज्यादा लोग न हों। हर बार हमें एक दिन का नुकसान होता है, लेकिन लोकतंत्र आमतौर पर इसी तरह आगे बढ़ता है।

पीओके में जारी विरोध प्रदर्शनों और हिंसा के बाद पाकिस्तान की सरकार झुकी

संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी से बातचीत शुरु

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बीते एक हफ्ते से जारी विरोध प्रदर्शनों और हिंसा के बाद पाकिस्तान की सरकार झुकती दिख रही है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने रास्ता निकालने के लिए जम्मू-कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएसी) से बातचीत शुरू कर दी है। हालांकि उच्च-स्तरीय प्रयासों के बावजूद शरीफ सरकार की जेएसी और पीओके सरकार के बीच बातचीत बहुत आगे नहीं बढ़ सकी है। गुरुवार को तीनों पक्ष बातचीत के लिए बैठे लेकिन वार्ता कुछ समय बाद ही रुक गई।

जेएसी नेता शौकत नवाज मीर ने कहा है कि पाकिस्तान सरकार को कम्युनिकेशन ब्लैकआउट हटकर मोबाइल-इंटरनेट सेवा बहाल करनी चाहिए। जेएसी कमेटी ने साफ किया है इसके बिना बातचीत जारी नहीं रखी जा सकती है। दूसरी ओर पाक सरकार के प्रतिनिधियों ने चीजें ठीक होने और शांति लौटने की उम्मीद जाहिर है। सरकार का कहना है कि जो कुछ बातचीत हुई है, वह अच्छे माहौल में हुई और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की बात ध्यान से सुनी।

पाकिस्तान की शाहबाज सरकार ने कहा है कि वह पीओके के लोगों की जायज मांगों में उनके साथ है। हम चाहते हैं कि समस्याओं का समाधान बातचीत के द्वारा होना चाहिए, सड़कों पर टकराव से ये नहीं होगा। पीएम शरीफ के कार्यालय की ओर से कहा गया है कि इस्लामाबाद से उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल पीओके भेजा गया है। बयान में कहा गया है कि शहबाज सरकार लोगों की शिकायतों के समाधान के लिए तैयार है।

शरीफ सरकार ने यह कदम तब उठाया है, जब जेएसी ने विभिन्न मांगों को लेकर पीओके में हड़ताल बुलाई है। इसके चलते पूरा पीओके ठप्प पड़ा है। पीओके में विरोध प्रदर्शन के दौरान कई जगहों पर हिंसा हुई है। सुरक्षाबलों ने आम लोगों पर गोली चलाई है, तब कई जगहों पर सुरक्षाकर्मियों को पीटा गया है। पीओके में हिंसा के ताजा दौर में अब तक 10 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। पीओके में हिंसा पर अंतर्राष्ट्रीय अधिकार समूहों ने चिंता जाहिर की है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने पाकिस्तान सरकार से शांतिपूर्ण सभा के अधिकार की रक्षा करने, प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग से बचने और संचार प्रतिबंधों को हटाने का आग्रह किया। पाकिस्तान के मानवाधिकार संगठनों ने हिंसा पर चिंता जाहिर की है।

अब मोरक्को में जेन-जी का गुस्सा भड़का

- हॉस्पिटल नहीं और वर्ल्ड कप पर 10 अरब डॉलर फूंक रहे; 3 की मौत, 1000 गिरफ्तार

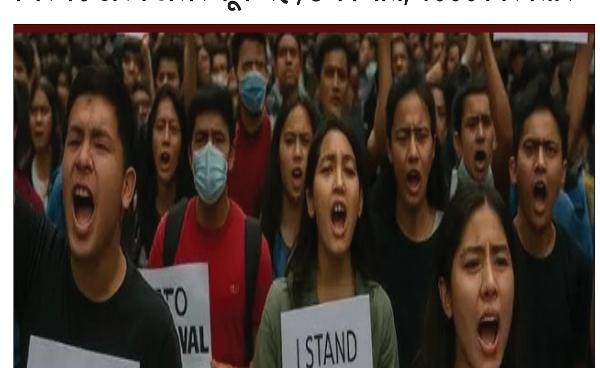

रबात (एजेंसी)। उत्तरी अफ्रीकी देश मोरक्को में स्वास्थ्य और शिक्षा सुधारों की मांग को लेकर भड़का जेन-जी आंदोलन हिंसक हो गया। राजधानी रबात में प्रदर्शनकारियों ने बैंक फूंक दी। कई दुकानों-गाडियों में तोडफ़ोड़ की। आगादिर शहर में पुलिस की गोली से 3 युवाओं की मौत हो गई। वहीं एक हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए। 354 लोग घायल हुए हैं, जिनमें अधिकतर सुरक्षाकर्मी हैं। मंत्रालय के मुताबिक, लगभग 70 प्रतिशत प्रदर्शनकारी नाबालिग थे।

मोरक्को की सरकार 2030 फीफा वर्ल्ड कप और अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के लिए 10 अरब डॉलर (करीब 8.8 लाख करोड़ रुपए) खर्च कर रही है। जबकि देश में सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं की भारी कमी है।

प्रदर्शनकारियों का कोई नेता नहीं

युवाओं के नेतृत्व वाले इस विरोध आंदोलन को ऋढ्ढ 212 कहा जा रहा है। 212 मोरक्को के इंटरनेशनल टेलीफोन डायलिंग कोड है। विदेश से मोरक्को में किसी को कॉल करने पर नंबर के पहले +212 लगाते हैं। नेपाल की तरह भी मोरक्को में भी विरोध प्रदर्शन करने वाले युवाओं का कोई लीडर नहीं है। लोग सोशल मीडिया के जरिए से रैली कर रहे हैं। मोरक्को में बेरोजगारी दर 12.8 प्रतिशत है, जिसमें युवा बेरोजगारी 35.8 प्रतिशत और स्नातकों में 19 प्रतिशत तक पहुंच गई है। मोरक्को में 1430 लोगों पर एक डॉक्टर है, जो दुनिया के औसत (590) से ढाई गुना कम है। आगादिर के हसन-2 हॉस्पिटल में 8 महिलाओं मौत हो गई। इसे 'डेथ हॉस्पिटल' कहा जा रहा है।

अब हमास नहीं माना तो समझो खेल खत्म: ट्रम्प का अंतिम अल्टीमेटम कितना होगा प्रभावी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इजराइल-हमास युद्ध को लेकर अमेरिका ने बड़ा दांव चला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने विगत रात वॉशिंगटन डीसी में मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की थी। इसमें नेतन्याहू ने गाजा में सीजफायर पर सहमति जताई, जबकि ट्रम्प ने 20 पॉइंट का शांति प्लान दुनिया के सामने रखा, जिसकी भारत समेत अनेक देशों ने तारीफ की है। वहीं हमास तुरंत हथियार डालने के पक्ष में नहीं है, उसे सोचने-विचारने के लिए समय चाहिए। इस बीच वैश्विक प्रतिक्रियाएं बता रही हैं कि यह राह इतनी आसान भी नहीं है, जितनी कि ट्रंप फार्मूला का समर्थन करने वाले बता रहे हैं।

बहरहाल अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने साफ लफ्जों कह दिया, कि अगर हमास इस प्लान को नहीं मानता तो इजराइल को उसे खत्म करने का पूरा अधिकार है और अमेरिका इस कदम में उसका साथ देगा। मतलब साफ है कि अब हमास के पास कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा है, उसे इसे मानना ही पड़ेगा, वर्ना खेल खत्म है। दरअसल इजराइली प्रधानमंत्री ने इस प्लान को लेकर कहा है, कि गाजा में एक शांतिपूर्ण प्रशासन बनाया जाएगा और हमास के हथियार पूरी तरह हटाए जाएंगे। इसके बाद इजराइल धीरे-धीरे गाजा से पीछे हटेगा। नेतन्याहू ने चेतावनी भी दी कि यह प्रक्रिया आसान या मुश्किल, किसी भी तरीके से पूरी की जाएगी।

हमास और फिलिस्तीन की प्रतिक्रिया

हमास ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए हथियार डालने से इनकार कर दिया। उसका कहना है कि अब तक उसे इस प्लान का औपचारिक प्रस्ताव नहीं मिला है। दूसरी ओर, फिलिस्तीनी सरकार ने ट्रम्प की पहल का स्वागत किया और कहा कि इससे शांति की नई उम्मीदें जागी हैं। यहां गाजा में शांति सेना भेजने के लिए तैयार बैठे पाकिस्तान के लिए भी रास्ता आसान नहीं है। दरअसल इस मामले को लेकर शहबाज सरकार अपने ही घर में घिरती दिखी है। ट्रंप प्लान का समर्थन करने को लेकर पाकिस्तान के लोगों ने अपनी ही सरकार को आड़े हाथों लिया है। इससे स्पष्ट है कि यह रास्ता उतना भी आसान नहीं रहने वाला, जितना कि ट्रंप ने प्लान रखते हुए बताया है।

ट्रम्प का कहना है कि यह योजना गाजा में स्थायी शांति, विकास और बेहतर जीवन का रास्ता खोल सकती है। लेकिन, सबसे बड़ी बाधा हमास की स्वीकृति है। अगर हमास मानता है तो संघर्ष का अंत संभव है, और अगर नहीं, तो ट्रम्प के शब्दों में- 'खेल खत्म।'

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पानीपुरीवाले के बेटे का अपहरण करने वाले गिरफ्तार

फर्जी बैंक खाते से 7.5 लाख निकालने के विवाद में 4 आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के गोडादरा पुलिस थाना क्षेत्र में कुछ दिन पहले हुए अपहरण की गंभीर घटना का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। गोडादरा पुलिस ने इस अपराध में शामिल और फरार चल रहे 4 आरोपियों को पकड़ लिया है। इस अपहरण का मुख्य कारण वित्तीय लेन-देन और एक बैंक खाते से रुपये निकालने का विवाद बताया गया है। गोडादरा पुलिस स्टेशन में 16 सितंबर 2025 की रात करीब 11:00 बजे अपहरण 'इंस्टा चाय' नामक पान की दुकान पर बैठे थे, जो पटेलनगर ब्रिज के नीचे है। करीब 11:00 बजे 6-7 अज्ञात लोग काली टोपी पहनकर मोटरसाइकिल पर वहां पहुंचे। उन्होंने संदीप को पकड़ लिया और उससे कहासुनी शुरू कर दी। अपहरणकर्ताओं ने कहा कि "तूने हमें फर्जी अकाउंट केस में फँसाया, जिसमें हमारे पैसे खर्च हो गए। वह सारे पैसे हमें वापस दे।" इसके बाद वे संदीप को मोटरसाइकिल पर बैठाकर पटेलनगर ब्रिज की ओर ले गए और फरार हो गए। इस गंभीर घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने CCTV, तकनीकी निगरानी और मानव खुफिया तंत्र के जरिए अपहरण में शामिल आरोपियों की जानकारी जुटाई। सूचना के आधार पर गोडादरा पुलिस ने 4 आरोपियों - सागर अशोककुमार सेन, कमलेश अशोककुमार सेन, सत्यमसिंह उर्फ लल्ला अवधेशसिंह राजपूत और मोहित सुरेशभाई यादव को पकड़ लिया। पूछताछ में मुख्य आरोपी कमलेश अशोक सेन ने अपहरण का चौंकाने वाला कारण बताया। उसने कबूल किया कि उसके पिता मनी ट्रांसफर का काम करते थे। करीब 4-5 महीने पहले कमलेश ने अपने दोस्त संदीप माहौर से एक बैंक

की शिकायत दर्ज हुई थी। शिकायतकर्ता बबलू छोटेलाल माहौर (उम्र 44), जो पानीपुरी की रेहड़ी लगाते हैं और लिंबायत क्षेत्र में रहते हैं, उन्होंने अपने बेटे संदीप माहौर के अपहरण की जानकारी दी थी। मामले के अनुसार, बबलूभाई रात करीब 11:45 बजे अपने काम से घर लौटे, तभी संदीप के दोस्त राज मनोज मंडल और सौरभ शर्मा उनके पास आए। उन्होंने बताया कि रात लगभग 10:30 बजे वे और संदीप गोडादरा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। पुलिस ने CCTV फुटेज और तकनीकी निगरानी के आधार पर अपहृत संदीप की तलाश शुरू की। तकनीकी निगरानी में उसका मोबाइल लोकेशन कडोदरा चार रास्ता क्षेत्र में मिला। पुलिस टीम वहाँ पहुँचती उससे पहले ही अपहरणकर्ताओं ने संदीप माहौर को वहाँ छोड़ दिया और फरार हो गए। पुलिस ने संदीप को सुरक्षित बरामद कर परिवार को सौंप दिया। खाता खुलवाने को कहा था और इसके लिए उसे 10,000 रुपये भी दिए थे। कमलेश के मुताबिक, उस बैंक खाते से किसी ने 7.50 लाख रुपये निकाल लिए थे। उसे शक था कि यह पैसे संदीप ने ही निकाले हैं। इसलिए उसने संदीप से उन पैसों की मांग की, लेकिन संदीप ने पैसे देने से इंकार कर दिया। इसी वित्तीय विवाद और पैसों की वसूली के इरादे से कमलेश और उसके दोस्तों ने मिलकर संदीप का अपहरण किया था।

गुजरात का सबसे ऊँचा 70 फुट का रावण दहन

सूरतवासियों ने 40 मिनट तक आतिशबाजी का नज़ारा देखा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवरात्रि पर्व की पूर्णाहुति के साथ गुरुवार को पूरे गुजरात में असत्य पर सत्य की विजय का पर्व माने जाने वाले दशहरे पर रावण दहन के साथ भव्य आतिशबाजी और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, राजकोट समेत कई शहरों में रावण दहन की तैयारियाँ पहले से कर ली गई थीं। इस वर्ष सूरत में गुजरात का स ब स

ऊँचा 70 फुट का रावण दहन किया गया। वहीं, राजकोट में सौराष्ट्र का सबसे ऊँचा 54 फुट का रावण पुतला दहन किया गया। इसके साथ ही मेघनाथ और कुम्भकर्ण के 45-45 फुट ऊँचे पुतलों का भी दहन किया गया। उत्तर प्रदेश के खास कारीगरों ने इमारती लकड़ी के समान माने जाने वाले बाँस की मदद से इन पुतलों को तैयार किया था। दूसरी ओर, वडोदरा में रावण दहन में बारिश बाधा बनने से कार्यक्रम को आज स्थगित कर कल आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

डिंडोली में मालगाड़ी पलटाने का प्रयास रेलवे ट्रैक पर किसी ने रखा लोहे का चैनल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली क्षेत्र में एक गंभीर और सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहाँ लोहे का चैनल रखकर मालगाड़ी को पटरी से उतारने का प्रयास किया गया। हालांकि ट्रेन की गति धीमी होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। ट्रेन के नीचे कुछ फँस गया है, जिससे ट्रेन की गति बाधित हुई। लोको पायलट ने तुरंत ट्रेन रोक दी और पुलिस कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। अगर ट्रेन की गति अधिक होती तो बड़ा रेल हादसा हो सकता था। घटना की जानकारी मिलते ही डिंडोली पुलिस दल मौके पर पहुँचा। पुलिस ने रेलवे ट्रैक से लोहे का चैनल जब्त कर लिया। इस गंभीर कृत्य को अंजाम देने

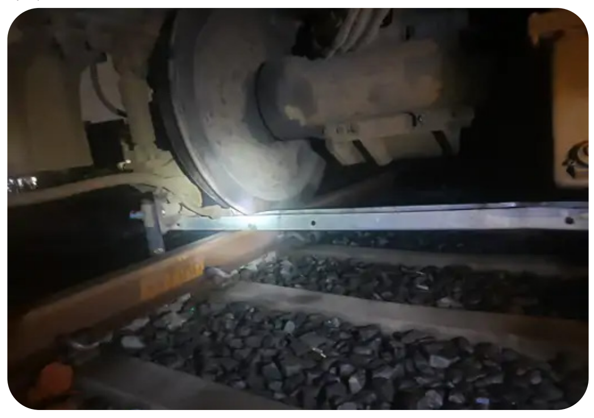

मिली जानकारी के अनुसार, कुछ अज्ञात लोगों ने जानबूझकर रेलवे की पटरी पर लोहे का चैनल रख दिया था। जब मालगाड़ी इस ट्रैक से गुजर रही थी, तभी चैनल ट्रेन के पहियों में फँस गया। लोको पायलट को तुरंत आभास हो गया कि वाले अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ट्रेन पलटाने के इस प्रयास के पीछे का उद्देश्य क्या था और किन इरादों से यह खतरनाक कृत्य किया गया।

SMC संचालित शिक्षा समिति की सामान्य सभा में

शिक्षकों की कमी के मुद्दे पर विपक्ष और सत्तापक्ष आमने-सामने

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के स्कूलों में 2036 के ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए योजना बनाई जा रही है और उसके अंतर्गत स्कूलों में ओलंपिक खेलों जैसी आधुनिक खेलों के आयोजन की बात हो रही है। लेकिन स्थिति यह है कि समिति की 400 से अधिक स्कूलें हैं और खेल शिक्षकों की संख्या केवल 50 है। इसी मुद्दे पर आज की सामान्य सभा में विपक्ष ने खेल शिक्षकों के साथ-साथ चित्रकला और संगीत शिक्षकों की भी भर्ती करने की मांग उठाई। वहीं सत्तापक्ष ने दावा किया कि दिवाली के बाद भर्ती प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। आज हुई बैठक में यह बात सामने आई कि 2036 ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेलों के आयोजन की योजना बनाई गई है। विपक्षी सदस्य ने सवाल उठाया कि अंतरराष्ट्रीय खेलों का आयोजन करना अच्छी बात है, लेकिन समिति के स्कूलों में बच्चों को प्रशिक्षण देने वाले खेल शिक्षक ही मौजूद नहीं हैं। इस पर सत्तापक्ष के सदस्यों ने कहा कि शिक्षक मौजूद हैं। जब संख्या पूछी गई तो बताया गया कि केवल 50 खेल शिक्षक हैं। इस पर विपक्ष ने कहा कि 400 स्कूलों में केवल 50 खेल शिक्षक कैसे पर्याप्त होंगे। इस मुद्दे पर विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तीखी बहस हुई। विपक्षी सदस्य ने कहा कि कई वर्षों से लगातार शिक्षकों की कमी को लेकर प्रस्तुतियां दी गई हैं, लेकिन सत्ता पक्ष केवल आश्वासन देता रहा है। समिति के स्कूलों में खेल शिक्षकों के अलावा चित्रकला और संगीत जैसे विषयों के लिए भी शिक्षकों की संख्या बेहद कम है। इसलिए तुरंत खेल, चित्रकला और संगीत शिक्षकों की नई भर्ती होनी चाहिए। सत्तापक्ष के सदस्यों ने कहा कि फिलहाल शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया की योजना बनाई गई है और दिवाली के बाद खेल शिक्षकों की भी भर्ती कर दी जाएगी। इस तरह शिक्षकों की कमी के साथ-साथ शिक्षकों पर गैर-शैक्षणिक गतिविधियों का बोझ भी सामान्य सभा का गरम मुद्दा बना।

दुष्कर्म केस में आरोपी को 10 साल की जेल

पढ़ाई में मदद के बहाने दोस्ती कर युवती से संबंध बनाए युवती ने शादी से इंकार किया तो निजी पलों के वीडियो वायरल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाई कर रही युवती से दोस्ती कर दुष्कर्म करने वाले पांडेसरा निवासी 28 वर्षीय आरोपी पंकजसिंह दिनाशंकरसिंह सिंह को कोर्ट ने 10 साल की सजा सुनाई है। छठे अतिरिक्त सत्र एवं विशेष (पोक्सो) न्यायाधीश हितेशकुमार मुकुंदराय व्यास ने यह फैसला सुनाया। आरोपी ने वर्ष 2012 से 2015 के बीच युवती से पढ़ाई में मदद के बहाने दोस्ती की थी। इसके बाद वह युवती को अपने घर, दोस्त के घर और अलग-अलग होटलों में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करता था। इसके अलावा आरोपी ने युवती के निजी पलों के वीडियो क्लिप भी बना लिए थे। जब युवती ने आरोपी से शादी करने से मना कर दिया, तब आरोपी ने वे क्लिप वायरल कर दिए। सरकारी पक्ष के सहायक सरकारी वकील विशाल फलदू ने दलील दी कि ऐसे मामलों में दिन-प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है। इसलिए, समाज में इस तरह के अपराधों को रोकने के लिए आरोपी को कानून में बताई गई अधिकतम सजा मिलनी चाहिए। घटना के बाद मामला दर्ज किया गया और आरोपी को गिरफ्तार किया गया। बचाव पक्ष ने दलील दी थी कि युवती की इच्छा और सहमति के बिना दुष्कर्म साबित हो, ऐसे कोई सबूत नहीं हैं और उसके मोबाइल से कोई क्लिप भी नहीं मिली है।

समाज को एक नई राह दिखाने का प्रयास

सूरत में जगदंबा का स्वरूप मानी जाने वाली 400 कन्याओं का पूजन कर, चाँदी का सिक्का अर्पित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दशहरे के पावन अवसर पर माँ जगदंबा का स्वरूप मानी जाने वाली 400 कन्याओं का पूजन कर और उन्हें उपहार स्वरूप चाँदी का सिक्का अर्पित कर सूरत के मोटा वराछा क्षेत्र के श्रीजी ज्वेलर्स के मालिक ने शुभ कार्य की शुरुआत की। इस पहल से समाज को एक नई दिशा दिखाने के साथ ही एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया गया है। विजया दशमी के अवसर पर 400 कन्याओं का पूजन कर और उन्हें चाँदी का सिक्का भेंट में देकर शुभ कार्य की शुरुआत मोटा वराछा के एक बिज़ने स

सेंटर में श्रीजी ज्वेलर्स के शुभारंभ अवसर पर यह ज्वेलर्स मालिक द्वारा की गई। इस अनोखी पहल को लेकर सभी लोग इस श्रेष्ठ कार्य की सराहना कर रहे हैं। सूरत के मोटा वराछा क्षेत्र में यमुना चौक के पास कर्मा सराहनीय कार्य किया गया। कन्याओं के पूजन से समाज में "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" का संदेश भी ज्वेलर्स मालिक ने दिया। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विशेष रूप से "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान शुरू किया गया था और इस अभियान को सार्थक बनाने तथा हिन्दू संस्कृति को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सूरत के इस ज्वेलर्स मालिक का यह सराहनीय प्रयास लोगों द्वारा खूब सराहा जा रहा है।

कतारगाम में प्रदूषण के खिलाफ जंग में हाई-टेक हथियार

34.99 लाख की लागत से 4 मीटर ऊँचाई वाला पोर्टेबल यूनिट, आसपास 50 से 500 मीटर की त्रिज्या में हवा की गुणवत्ता सुधारेगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात का औद्योगिक केंद्र माने जाने वाला सूरत शहर बढ़ते वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या का सामना करने के लिए अब तकनीक आधारित समाधानों की ओर बढ़ रहा है। इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कतारगाम के अल्कापुरी क्षेत्र में एक अत्याधुनिक "एयर स्मॉग टॉवर" स्थापित किया गया है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली और जटिल इंजीनियरिंग मशीनरी का उपयोग कर शहरी वायु गुणवत्ता में सुधार लाना है। यह स्मॉग टॉवर पूर्व केंद्रीय मंत्री दर्शना जर्दोश की ग्रांट से 34.99 लाख की लागत से तैयार किया गया है, जो इस उपकरण की उन्नत डिज़ाइन और इंस्टॉलेशन को दर्शाता है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने इस टॉवर को जनता की सेवा के लिए समर्पित किया। इस मशीनरी की नींव इसकी शक्तिशाली फिल्ट्रेशन प्रणाली है। इसमें चार-स्तरीय फिल्ट्रेशन तकनीक का उपयोग किया गया है, जो यह सुनिश्चित करती है कि टॉवर से गुजरने वाली हवा को केवल प्रारंभिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि पूरी तरह और व्यवस्थित तरीके से शुद्ध किया जाए। इस टॉवर की सबसे अहम विशेषता इसकी हाई-एफिशिएंसी पार्टिकुलेट एयर (HEPA) फिल्टर टेक्नोलॉजी है।

यह फिल्टर हवा में मौजूद हानिकारक कणों, खासकर सांस लेने में खतरनाक PM 2.5 और PM 10 कणों को प्रभावी ढंग से पकड़ते हैं। इसके अलावा, शुद्धिकरण की अंतिम अवस्था में आयोनाइज़र टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है, जो प्रदूषकों को निष्क्रिय कर देती है। साफ की गई हवा को जमीन के स्तर पर छोड़ा जाता है,

नई सिविल के ट्रॉमा सेंटर रात में इमरजेंसी में 'इमरजेंसी' आ गई

नई सिविल के ट्रॉमा सेंटर में नशे में धुत मरीज के अभद्र व्यवहार से आक्रोशित डॉक्टर हड़ताल पर उतरे, जाँच समिति की आश्वस्ति के बाद हड़ताल खत्म

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नई सिविल अस्पताल अक्सर विवादों में रहती है और अब एक और विवाद सामने आया है। अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर के सर्जरी विभाग के रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर चले गए। नशे की हालत में आए एक मरीज की इलाज के दौरान अभद्र हरकत ने मामला बड़ा रूप ले लिया। रेजिडेंट डॉक्टरों और CMO के बीच सुरक्षा को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद हड़ताल की घोषणा कर दी गई। सर्जरी विभाग के डॉक्टर ट्रॉमा सेंटर में इकट्ठा हो गए, जिससे अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट समेत अन्य अधिकारियों को मौके पर पहुँचना पड़ा। बाद में जाँच समिति बनाने की आश्वस्ति मिलने के बाद हड़ताल समाप्त कर दी गई।

मिली जानकारी के अनुसार, 2 अक्टूबर की रात 108 एंबुलेंस से नशे में धुत मरीज को ट्रॉमा सेंटर लाया गया। केस पेपर निकालकर मरीज को सर्जरी विभाग में भेजा गया, जहाँ उसने रेजिडेंट डॉक्टर से बदतमीज़ी की। इसके बाद डॉक्टर ने ट्रॉमा सेंटर में मौजूद CMO (कैजुअल्टी मेडिकल ऑफिसर) को सूचित किया और सुरक्षा का मुद्दा उठाया। इस्क्ष की केबिन में रेजिडेंट डॉक्टरों ने सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए और बड़ी संख्या में सर्जरी विभाग के रेज़िडेंट डॉक्टर जमा हो गए। उन्होंने घोषणा की कि जब तक सुरक्षा को लेकर संतोषजनक जवाब नहीं मिलेगा, तब तक वे काम पर नहीं लौटेंगे। मामले ने तूल पकड़ लिया तो अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉ. धारित्री परमार समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुँचे। देर रात तक ट्रॉमा सेंटर में हंगामा चलता रहा। यहाँ तक कि 108 एंबुलेंस को भी सर्जरी के मरीज नई सिविल में न ले जाने का निर्देश दिया गया।

सुरक्षा को लेकर हड़ताल कर रहे डॉक्टरों ने ट्रॉमा सेंटर के बाहर "वी वांट जस्टिस" के नारे लगाए और मरीज लेकर आई 108 एंबुलेंस को भी वापस भेज दिया। हड़ताल के चलते मरीज और उनके परिजन परेशान हो गए। डॉक्टरों का गुस्सा इतना बढ़ा कि सुपरिटेंडेंट, RMO और पुलिस भी मौके पर पहुँची। इस दौरान डॉक्टरों ने "CMO हाय-हाय" के नारे भी लगाए। हड़ताल की वजह से इमरजेंसी में आने वाले मरीजों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

दर्द से कराह रहे मरीजों का इलाज करने के लिए कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था, जिससे मरीज और उनके परिवारजन परेशान होते रहे।

पूरे मामले पर जाँच समिति बनेगी: RMO सूरत सिविल अस्पताल के RMO डॉ. केतन नायक ने बताया कि रात में एक शराबी मरीज लाया गया था, जो बेहद अभद्र था और 108 एंबुलेंस से लाया गया था। इस पर CMO और रेज़िडेंट डॉक्टरों के बीच कहासुनी हुई। उस मरीज का इलाज कर उसे पुलिस को सौंप दिया गया,

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीएम योगी ने बच्ची से पूछा: स्कूल जाती हो

गोरखपुर में जनता दरबार में महिला ने आंचल फैलाकर लगाई गुहार

संवाददाता

गोरखपुर। सीएम योगी ने गोरखपुर में शुक्रवार को जनता दरबार लगाया। दूरदराज से आए लोगों की समस्याओं को सुना। लोगों से मुलाकात कर रहे योगी अचानक गोरखनाथ मंदिर परिसर में पैरेंट्स के साथ घूमने आए बच्चों के बीच पहुंच गए। मंदिर घूम रहे बच्चों को अपने पास बुलाया, बातचीत की और चॉकलेट दी। बच्चों को दुलारते हुए उनसे नाम और पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री काफी सहज नजर आए। सीएम योगी थोड़ी देर तक बच्चों के साथ बात करते रहे। एक बच्ची से पूछा कि क्या नाम है, तो उसने प्रिया बताया। फिर पूछा कौन सी क्लास में पढ़ती हो? प्रिया ने बताया- LKG में। पूछा- रोज स्कूल जाती हो। प्रिया का जवाब था- हां। फिर कहा- आज क्यों नहीं गई? बच्ची ने तुरंत जवाब दिया- छुट्टी है। जब सीएम ने पूछा कि कैसी छुट्टी, तो बच्ची मुस्कुराते हुए किनारे हो गई। योगी ने वहां मौजूद कई बच्चों को चॉकलेट दी और मेहनत से पढ़ाई करने को कहा। इससे पहले योगी ने शुक्रवार सुबह जनता दर्शन में समस्याएं सुनीं। करीब 200 लोगों ने अपनी शिकायतें रखीं। मुख्यमंत्री ने कहा- हर पीड़ित की मदद हो। जमीन विवाद, इलाज और पारिवारिक समस्याओं पर खास फोकस रहा। सीएम ने अफसरों से संवेदनशील व्यवहार की अपील की। जनता दर्शन के दौरान एक महिला ने भावुक होकर उट से कहा कि वह पिछली बार जब उनसे मिली थीं, तब कुछ राहत मिली थी। लेकिन, अब फिर से विपक्षी उन्हें परेशान कर रहे हैं। वे कहते हैं, जो करना है कर लो। इतना कहते हुए उसने अपना आंचल फैला दिया और न्याय की भिक्षा मांगने लगी। मुख्यमंत्री ने उसे कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने अफसरों को हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। यदि जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद पारिवारिक हो तो, संबंधित पक्षों को बैठाकर आपसी संवाद से निस्तारण कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग किन्हीं कारणों से सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाएं। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया और चॉकलेट गिफ्ट करते हुए प्यार व आशीर्वाद दिया।

गांधी के विचारों पर चलने का होगा प्रयास: पीएन पाठक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। विधायक कुशीनगर पंचानंद पाठक (पीएन पाठक) और नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारियों ने गांधी जयंती पर नगर के गांधी चौक स्थित गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर झंडारोहण और माल्यार्पण समारोह हुआ और राष्ट्रगान गाया गया। विधायक पीएन पाठक ने गांधी के जीवन, सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों, स्वच्छता अभियान और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी का जीवन सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है और उनके आदर्शों को अपनाकर ही समाज में समरसता लाई जा सकती है। इस दौरान स्वच्छता का संदेश देते हुए एक संक्षिप्त जन-जागरूकता रैली भी निकाली गई। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कृष्णा जयसवाल, मण्डल अध्यक्ष आद्या पांडेय, राजेश मद्धेशिया, अमित मालवीय, बिनय तिवारी, आदित्य तिवारी, शिबलू सिंह मौजूद रहे।

खादी है स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक: विधायक सुरेंद्र कुशवाहा

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर स्थित खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान, सपहा के परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण से हुई और उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य अतिथि भाजपा विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा ने कहा कि गांधी ने खादी को केवल वस्त्र नहीं बल्कि स्वतंत्रता और स्वाभिमान का प्रतीक बनाया। आज जरूरत है कि हम खादी को अपनाकर गांवों को सशक्त करें और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करें। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में खादी को नई पहचान मिल रही है और यह अब राष्ट्र निर्माण का एक सशक्त माध्यम बन चुकी है।भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि गांधी और शास्त्री का जीवन आदर्श और प्रेरणा का स्त्रोत है। गांधी जी के स्वदेशी आंदोलन और शास्त्री जी के 'जय जवान, जय किसान' का नारा आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि खादी और स्वदेशी के विचार को अपनाएं और ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभाएं। भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी ने कहा कि गांधी का विचार केवल इतिहास नहीं है।वह आज भी जीवंत है। खादी केवल पहनावा नहीं, बल्कि एक विचारधारा है जो आत्मनिर्भरता और स्वदेशी की भावना को बढ़ावा देती है। युवाओं को इससे जुड़ना चाहिए। खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान सपहां फाजिलनगर के मंत्री पंकज कुमार पांडेय ने सभी आगंतुकों, कार्यकताओं एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य है कि खादी ग्रामोद्योग को केवल उत्पादन केंद्र न बनाकर, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्वरोजगार का मजबूत आधार बनाया जाए। यह संस्थान ग्राम विकास का केंद्र बने, यही हमारा लक्ष्य है। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम पांडेय, जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा अजय राय, पूर्व जिला मंत्री रामबृक्ष गिरी, पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि पशुपतिनाथ जायसवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष डॉ. कन्हैया शर्मा, कुंवर सुभाष सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में समाजसेवी अनिल जायसवाल, पूर्व ग्राम प्रधान नरेंद्र पांडेय, विजय पांडेय, अनुराग पांडेय, सुबोध त्रिपाठी, नंदकिशोर पांडेय, राजेश दूबे, खूबलाल, प्रमोद राय, योगेन्द्र कुशवाहा, राना सिंह, संजय यादव आदि मौजूद रहे।

आचार्य त्रिभुवन पांडेय ने सुनाई मनु-सतरूपा की कथा, बताया पृथ्वी उद्धार का संदेश

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र के लवकुश पश्चिम पांडेय टोला में श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक रस में डुबकी लगाई। कथा का आयोजन हरिश्चंद्र मिश्र के आवास पर किया गया है। जिसमें काशी से पधारे सुप्रसिद्ध भागवताचार्य पंडित त्रिभुवन पांडेय जी महाराज ने श्रद्धालुओं को भागवत कथा का अमृतपान रातें हुए कथा में सृष्टि के प्रारंभ में महाराज मनु और माता सतरूपा की कथा का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। बताया कि कैसे मनु-सतरूपा ने तपस्या कर भगवान नारायण को प्रसन्न किया, और उनके वंश से उत्पन्न हुए पृथु महाराज ने पृथ्वी का उद्धार कर उसे समृद्ध बनाया। आचार्य जी ने कहा कि महाराज पृथु ने जब देखा कि पृथ्वी पर अन्न का अभाव है और प्रजा दुखी है, तब उन्होंने पृथ्वी का गाय के रूप में पीछा किया और उसे दुह कर अन्न प्राप्त किया। यह कथा मानव जीवन में कर्तव्य, त्याग और धर्म की महत्ता को दशार्ती है। उन्होंने यह भी बताया कि पृथ्वी को 'पृथ्वी' नाम भी महाराज पृथु के नाम पर ही मिला। इस दौरान मुख्य यजमान विमला देवी हरिश्चंद्र मिश्र, सिद्धेश्वर मिश्र, रिंकु मिश्र , राणा प्रताप मिश्र, वेद व्यास पांडेय, ज्ञान प्रकाश पांडेय, नागेंद्र पांडेय, सुभाष मिश्र, रविन्द्र पांडेय, उज्जवल पांडेय मौजूद रहे।

खेल प्रतियोगिता से निखरकर सामने आती हैं छिपी प्रतिभाएं: राजेश शुक्ल

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। संसद खेल महोत्सव के तहत विकास खंड कसया के कंपोजिट स्कूल सिरसिया में न्याय पंचायत स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इसमें न्याय पंचायत बेलवा दुर्गा राय के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों ने प्रतिभाग किया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय भैंसहा की टीम ओवर आल चौंपियन रही। प्रतियोगिता का शुभारंभ राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ गोरखपुर के अध्यक्ष राजेश शुक्ल व प्रधानाध्यापक नीरज श्रीवास्तव ने झंडी दिखा कर किया। राजेश शुक्ल ने कहा कि खेल प्रतियोगिता से ग्रामीण क्षेत्र में छिपी प्रतिभायें निखरती हैं। जूनियर बालक वर्ग खो-खो में पूर्व माध्यमिक विद्यालय भैंसहा व कुरमौटा के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ जिसमें पूर्व माध्यमिक विद्यालय भैंसहा की टीम विजयी रही। खो खो प्राथमिक स्तर पर प्राथमिक विद्यालय कुरमौटा विजेता तो सिरसिया उपविजेता रहा।जूनियर बालक कबड्डी भैंसहा विजेता व कुरमौटा की टीम उपविजेता रही। प्राथमिक स्तर बालक कबड्डी में प्राथमिक विद्यालय नीबी खोराबार विजेता तो कुरमौटा की टीम उपविजेता रही। बालिका प्राथमिक स्तर पर कुरमौटा विजेता तो मिश्रौली उपविजेता रही।बालिका जूनियर स्तर कबड्डी में भैंसहा विजेता तो सिरसिया की टीम उपविजेता रही। जूनियर स्तर बालकों के 50 मीटर में बेलवा के सैफुल्लाह प्रथम व भैंसहा के इरसाद अंसारी द्वितीय रहे।100 मीटर दौड़ में भैंसहा के इरसाद प्रथम तो बेलवा के सैफुल्लाह द्वितीय स्थान पर रहे। जूनियर स्तर बालक 200 मीटर दौड़ में भैंसहा के अब्दुल कादिर प्रथम व इरसाद द्वितीय रहे। बालिका जूनियर स्तर 50 मीटर में सिरसीया की सोनी भारती विजेता तो भैंसहा की चांदनी उपविजेता रही। 100 मीटर दौड़ में भैंसहा की करिश्मा विजेता तो सिरसीया की काजल उपविजेता रही। बालिका 200 मीटर में भैंसहा की करिश्मा प्रथम तो बेलवा दुगार्राय की रीना गौंड उपविजेता रही। खेल के उपरांत विजयी बच्चों को बीईओ अशोक यादव के द्वारा पुरस्कार दिया गया। खेल का संचालन दिलीप सिंह, हरिंद्र चौरसिया, धर्मेन्द्र दूबे व कृष्ण मोहन के द्वारा किया गया।आभार ज्ञापन आयोजक महेंद्र सिंह ने किया। इस अवसर पर यशोदानंद द्विवेदी,अमित राय, अनूप गुप्त, बदरुज्जमा सिद्दीकी, नीतू श्रीवास्तव, प्रियंवदा शर्मा, किरण वर्मा, सुनीता सिंह, सीमा राव, अमर प्रकाश पाण्डेय, राघवेंद्र सिंह, स्नेहा तिवारी, सुधीर राव, अनुराधा तिवारी, अरविंद सिंह, अरुणेश मिश्र, दयानंद यादव, ऋषिकेश सिंह,असदुल्ला अंसारी आदि उपस्थित रहे।

गांधी जयंती: महिलाओं को रोटरी क्लब द्वारा नि:शुल्क सिलाई मशीन वितरित

संवाददाता

कुशीनगर। अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संस्था रोटरी क्लब कुशीनगर द्वारा कसया स्थित शहीद स्मारक पार्क में आयोजित जयंती समारोह में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। रोटरी क्लब द्वारा राष्ट्रपिता के स्वावलंबन के सपने को साकार करते हुए 10 महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु नि:शुल्क सिलाई मशीन प्रदान किया। जिससे वह स्वरोजगार कर समाज में आगे बढ़ सकें। समाज सेवा के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य हेतु डॉ. एसके अब्दुस समद, डॉ. अमीम आरा, विकास श्रीवास्तव एवं मीनू जिंदल, व्यावसायिक क्षेत्र में विशेष कार्य हेतु अजय गुप्ता के साथ पांच लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर चरखे के साथ लोगों ने सेल्फी भी ली जो कार्यक्रम में विशेष आकर्षण का एक केंद्र था। मुख्यअतिथि नगरपालिका परिषद कुशीनगर की अध्यक्ष किरन राकेश जायसवाल ने गांधी के विचारों को आज के समाज में प्रासंगिक बताया। उप जिलाधिकारी संतराज सिंह बघेल ने गांधी के सिद्धांतों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। रोटरी के अध्यक्ष अजय सिंह ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन रोटरी सह संरक्षक वाहिद अली ने किया। पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, इनरव्हील क्लब कुशीनगर की अध्यक्ष मीनू जिंदल, डॉ अनिल सिंहा, पूर्व प्राचार्य डॉ. अमृतांशु शुक्ल, अधिवक्ता अम्बरीष चौबे, दिनेश तिवारी भोजपुरिया ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर रोटरी के कोषाध्यक्ष दिनेश यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष साहिल अहमद, उपाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष विजय कृष्ण द्विवेदी, सह सचिव सदरे आलम, सह कोषाध्यक्ष अमरेन्द्र नारायण सिंह, निदेशक रंजीत श्रीवास्तव, निदेशक अश्वनी जायसवाल, मीडिया प्रभारी विशाल शर्मा, सोशल मीडिया प्रभारी डॉ. सुनील सिंह, रक्तदान संयोजक राजीव तिवारी, पर्यावरण संयोजक अरुण वर्मा, अमित कुमार श्रीवास्तव, गोपीचंद कसौधन, डॉ. मुकेश यादव, डॉ. नदीम वारसी, हसमुद्दीन अंसारी, अरुण मौर्य, आनंद जायसवाल, सरवरे आलम, विजय सिंह, सत्येंद्र राय, शशि सिंह, डॉ. आफताब हुसैन, डॉ. रिजवान आलम, शिवजी जायसवाल, दीपेश सिंह, आशीष अग्रवाल, डॉ. विजेंद्र तिवारी, डॉ. एस.के. अब्दुस्समद, राजेश मद्धेशिया, मनीष मिश्रा टिंकू, अमेरिकन सिंह, वीरेंद्र तिवारी, डॉ अनिल सिंहा, वृद्धाश्रम की प्रबंधक रागिनी सिंह रज्जू, एडवोकेट अम्बरीष चौबे, अखिलेश यादव, इजहारुल हक खान, विवेक वर्मा, एड कृष्ण कुमार तिवारी, पुनीत श्रीवास्तव, ऋषिकेश पाण्डेय, समीर खान, आशुतोष चतुर्वेदी, किरन सिंह एवं आदिल खान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण माहौल में हुई जुमे की नमाज, मस्जिदों से अमन की अपील

बरेली। शुक्रवार को जुमे की नमाज के चलते कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है। हालांकि, शहर में हालात पूरी तरह सामान्य हैं। दोपहर करीब तीन बजे तक शांतिपूर्ण माहौल में करीब 90 फीसदी मस्जिदों में जुमे की नमाज संपन्न हो गई है। शहर के कुतुबखाना, आजमनगर, बिहारीपुर और पुराना शहर में सभी मस्जिदों में शांतिपूर्ण तरीके से नमाज संपन्न हुई। नमाज के तय वक्त पर लोग मस्जिदों में आते रहे और नमाज पढ़कर घर वापस हो गए। मस्जिदों से अमन और शांति बनाए रखने की अपील की गई। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी एसपी सिटी ऑफिस में कैंप कर नजर बनाए हुए हैं। संवेदनशील और मिश्रित आबादी वाले इलाकों में ड्रोन से निगरानी की जा रही है। बाजारों में आम दिनों की तरह चहल-पहल है। जामा मस्जिद में सकुशल नमाज संपन्न हुई। मीडिया पर अंदर जाने के लिए प्रतिबंध लगाया गया। दो बार हुई कि लोग अपील नमाज पढ़कर अपने अपने घरों को जाएं। बवाल में शामिल आरोपियों और उनके मददगार लोगों की सौ से अधिक संपत्तियां चिह्नित की जा चुकी हैं। इसमें मौलाना के करीबी और इस मामले में गिरफ्तार आईएमसी के प्रवक्ता रहे डॉ. नफीस और जिलाध्यक्ष रहे नदीम खान की संपत्तियां भी हैं। डॉ. नफीस का जखीरा में मकान है और नदीम खान का बिहारीपुर में है। झुमका तिराहे के निकट में नदीम की एक कॉलोनी बताई गई है। इन संपत्तियों के रिकॉर्ड खंगाले गए हैं। अगर निर्माण मानचित्र की शर्तों के विपरीत मिला तो कार्रवाई की जाएगी। बीडीए इस मामले में रिकॉर्ड खंगालने के साथ विधिक पक्ष का भी आकलन कर रहा है। मौलाना तौकीर रजा खां बवाल के दिन बीते शुक्रवार को फरहत के घर पर था। पुलिस-प्रशासन ने फरहत के घर से ही मौलाना को गिरफ्तार किया था। अगले दिन फरहत और उसका बेटा भी गिरफ्तार किया गया। बीडीए के उपाध्यक्ष मनिकंडन ए ने कहा है कि जो बवाल के आरोपी हैं उन पर पुलिस और प्रशासन के स्तर से कार्रवाई हो रही है। कानून व्यवस्था भंग करने में जिनके नाम सामने आए हैं, उनकी संपत्तियों को चिह्नित किया गया है। जांच-पड़ताल के साथ कार्रवाई की जा रही है।

सिंधी व्यापारियों ने बुलंद किया 'स्वदेशी अपनाओ...' का नारा, लोगों को जागरूक करने का लिया संकल्प

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को सिंधी समुदाय के व्यापारियों ने 'स्वदेशी अपनाओ... विदेशी भगाओ' का नारा बुलंद किया। पीएम मोदी के आह्वान पर सभी ने एक स्वर में स्वदेशी अपनाने का संकल्प लिया। साथ ही सभी सिंधी व्यापारियों से भी अपील की है कि अपनी दुकानों पर स्वदेशी वस्तुएं बेचें, विदेशी को दूर भगाएं। सभी व्यापारी सुबह एकत्र होकर अमर शहीद हेमू कालाणी चौराहे पहुंचे। स्वदेशी अपनाने की आवाज बुलंद की। साथ ही अमर शहीद हेमू कालाणी चौराहे के नवीनीकरण के कार्यों पर समीक्षा बैठक की गई। इस पर सभी ने अपने सुझाव रखे। इस मौके पर क्षेत्रीय पार्षद गिरीश गुप्ता, सिंधु सभा के अध्यक्ष अशोक मोतियानी, महामंत्री संजय जसवानी, सुरेश छाबलानी, सिंधु नगर सिंधी पंचायत के अध्यक्ष अशोक चांदवानी, श्याम कृषनानी, अमर नाथ चौधरी, पुनीत लालचंदानी, घनश्याम दास, प्रीतम वालेचा, अमर आठवानी, मन्नू तेजवानी, समेत अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में सिंधु सभा के अध्यक्ष अशोक मोतियानी, महामंत्री संजय जसवानी, सुरेश छाबलानी ने संयुक्त रूप से कहा कि सिंधी व्यापारी अपनी दुकानों पर स्टीकर लगाकर विदेशी वस्तुओं का विरोध करें। ताकि, क्षेत्रीय व्यापारियों में भी यह संदेश जा सके। साथ ही खरीदारों को भी स्वदेशी के प्रति जागरूक किया जा सके।

'सहारा शहर' में कर्मचारियों का फूटा गुस्सा, वेतन और पीएफ न मिलने पर दिया धरना

लखनऊ। सहारा समूह के कर्मचारियों ने मंगलवार को गोमती नगर स्थित 'सहारा शहर' में वेतन और पीएफ (भविष्य निधि) जैसे लंबित भुगतान की मांग को लेकर कामकाज ठप कर धरना प्रदर्शन किया। सैकड़ों की संख्या में एकत्रित कर्मचारियों ने प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। अपनी वर्षों की मेहनत के बदले बकाया भुगतान की मांग की। कर्मचारियों का आरोप है कि साल 2014 से अब तक उनका पीएफ नहीं जमा किया गया है। महीनों से वेतन का भी भुगतान नहीं हो रहा। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उन्होंने अपना पूरा जीवन सहारा समूह में सेवा देकर गुजारा, लेकिन अब जब उन्हें सबसे अधिक जरूरत है, तो कंपनी ने उनका पैसा रोक रखा है। धरने में शामिल एक वरिष्ठ कर्मचारी ने कहा, "हमने पूरी जिंदगी सहारा को दे दी, अब हमारी जिंदगीभर की कमाई फंसी हुई है। पहले हमारा पैसा दो, फिर कंपनी को बंद करो या जो करना है करो। लेकिन हमारे साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी मांगे पूरी नहीं की गईं तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन छेड़ेंगे और कानूनी कार्रवाई के लिए बाध्य होंगे। धरने के दौरान सहारा समूह की ओर से कोई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा, न ही अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है। इससे कर्मचारियों में और भी नाराजगी देखी गई। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने राज्य सरकार और श्रम विभाग से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनका वेतन और पीएफ क्लियर नहीं किया जाता, वे पीछे हटने वाले नहीं हैं।

मुरादाबाद में अवैध हथियार बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

मुरादाबाद। पाकबड़ा थाना पुलिस ने अवैध शस्त्र बनाने की फैक्टरी का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से आठ तमंचे और भारी मात्रा में हथियार बनाने का सामान बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सरकार हुसैन निवासी भोला नगला, थाना टांडा, जिला रामपुर और जहरुल निवासी ईदगाह के पीछे, पाकबड़ा शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह संभल, रामपुर और बरेली से मिले ऑर्डरों के बाद अवैध हथियार बनाते थे। एक तमंचा पांच से दस हजार रुपये में बेचते थे। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि पुलिस को आरोपियों के कब्जे से आठ तमंचों के अलावा अन्य उपकरण भी मिले हैं। पकड़े गए दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि उनके संपर्क में और कौन लोग शामिल हैं। घटना के बाद पुलिस आसपास के क्षेत्रों में भी अवैध शस्त्र बनाने और सप्लाई करने वालों पर नजर बनाए हुए है।